KGS IAS

बिहार स्पेशल

करेंट अफेयर्स

मार्च-अगस्त 2023

- Bihar Budget 2023-24
- Bihar Economy Survey 2022-23

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

GET IN ON Google Play

Download on the App Store

Download the Khan Global Studies (Official) App

TEBAL OF CONTENTS

चर्चित व्यक्ति (01-04)

1. जुब्बा साहनी की मूर्ति 01
2. पटना हाई कोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश 01
3. पटना की मोनिका दास बनीं चुनाव आयोग की स्टेट आइकॉन 01
4. डॉ. शकील अहमद खान 01
5. मैथिली ठाकुर 01
6. कृष्ण नंदन सिंह 02
7. न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली 02
8. फलक खान 02
9. डॉ बिंदेश्वर पाठक 02
10. बाबू देवशरण सिंह 03
11. चन्द्रशेखर सिंह 03
12. अमर शहीद रामफल मंडल 03

योजना / स्कीम/ नीति (05-09)

1. मुख्यमंत्री उद्यमी योजना 05
2. यशस्वी मुखिया 05
3. मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध निश्चय योजना 05
4. मुख्यमंत्री बिजली उपभोक्ता सहायता योजना 05
5. बिहार विधवा पेंशन योजना 06
6. बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2016 06
7. मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना 06
8. किसान क्रेडिट कार्ड योजना (KCC) 06
9. सात निश्चय योजना -2 07
10. 'एक पंचायत, एक बैंक खाता' योजना 07
11. बिहार की 'दीदी की रसोई' योजना 07
12. स्टार्ट-अप नीति 2022 07
13. बिहार इनोवेशन चैलेंज-2023 08
14. मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना (संबल) 08

पुस्तक (10- 00)

1. बिहार दैट वाज़ एंड नाउ 10
2. पुस्तक 'नालंदा' 10
3. बिहार बढ़कर रहेगा 10

कृषि (11-13)

1. आहर पाइंस 11
2. गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला 11
3. मर्चा चावल 11
4. वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास 11
5. बिहार का खरीफ महाभियान-2023 12
6. जैव ईंधन उत्पादन 12

ऐप एण्ड पोर्टल (14-15)

1. ई-संजीवनी पोर्टल 14
2. 'मौसम बिहार' 14
3. रक्षक ऐप 14
4. स्वाभिमान ऐप 14
5. Groyyo ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म 15

अवॉर्ड / पुरूस्कार (16-18)

1. भारत भूषण पुरस्कार 16
2. "भूमि सम्मान" 2023 16
3. स्टीवन ओबेगाडु सम्मान 16
4. जीनोम सेवियर फार्मर्स पुरस्कार 17
5. द पैरेलल 17
6. राजेंद्र नगर टर्मिनल 17
7. राष्ट्रीय जल पुरस्कार 17

भूगोल (19-20)

1. वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (RTV) 19
2. कमला बलान नदी 19
3. पटना चिड़ियाघर 19
4. राज्य स्तरीय वन महोत्सव-2023 19
5. एक जिला एक उत्पाद 20

अर्थशास्त्र (21-00)

1. वेतन और भत्तों में वृद्धि 21
2. बिहार में पावर ग्रिड सबस्टेशन का विस्तार 21

3. सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्रा 21
4. सुधा मिल्क 21

रैंकिंग (22-23)

1. कृषि श्रमिकों के मामले में बिहार देश में दूसरे स्थान पर 22
2. बिहार हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर 22
3. बिहार के महिला स्वास्थ्य संकेतक 22
4. अंचल और एडीएम अधिकारियों की रैंकिंग 22
5. बिहार उद्योग रैंकिंग 23

खेल 24

1. अखिल भारतीय सैनिक स्कूल राष्ट्रीय खेल 2023-24 24
2. बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट 24

बुनियादी ढाँचा विकास कार्यक्रम (25-26)

1. भारत का सबसे बड़ा परीक्षा परिसर 25
2. बिहार की दूसरी इथेनॉल इकाई 25
3. बिहार में दूसरा एम्स 25
4. फोर लेन हाईवे 25
5. मोकामा -मुंगेर ग्रीनफील्ड फोर-लेन परियोजना 25
6. नेपाल और भारत के बीच सीमा पार रेलवे संपर्क हुआ शुरू 26
7. बिहार में शाम्हो-मटिहानी पुल का निर्माण 26

पर्यटन (27-28)

1. बिहार के 30 ऐतिहासिक धरोहर स्थल 27
2. वैशाली में निर्मित पत्थर का बुद्ध स्तूप 27
3. बिहार के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल 28

विविध (29-32)

1. मेगा स्किल सेंटर 29
2. पीएमसीएच (PMCH) में रीढ़ की हड्डी की सर्जरी 29
3. पीएम की कलाई पर बांधी दरभंगा में बनी राखी 29
4. पटना में जी-20 की बैठक 29
5. बिहार दिवस 30
6. YUVIKA 30
7. गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 30
8. बिहार सरकार ने प्रमुख प्रस्तावों को मंजूरी दी 30
9. सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय 31
10. बिहार उत्सव 2023 31
11. बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट (STPP) 31
12. बिहार के सात युवाओं की शहादत की 81वीं वर्षगाँठ 31
13. बापू टावर, गर्दनीबाग, पटना 32

बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 (33-39)

बिहार बजट विश्लेषण 2023-24 (40-43)

चर्चित व्यक्ति

जुब्बा साहनी की मूर्ति

वर्तमान संदर्भः बिहार के मुख्यमंत्री ने पटना के राजेंद्र नगर में स्वतंत्रता सेनानी जुब्बा साहनी के प्रतिमा का अनावरण किया।

- प्रतिमा का अनावरण पटना राजेंद्र नगर, के **मोइनुल हक स्टेडियम** के दक्षिण-पश्चिम कोने में एक नव निर्मित पार्क में किया गया।
- नीतीश कुमार ने पार्क में पौधे भी लगाए।
- **जुब्बा साहनी** एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी थे।
- उनका जन्म 1906 में ब्रिटिश भारत में बंगाल प्रेसीडेंसी के **मुजफ्फरपुर** जिले में हुआ था।
- 1944 में **भागलपुर जेल** में उनकी मृत्यु हो गई।

पटना हाई कोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश

वर्तमान संदर्भ : हाल ही में केरल उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन को पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (CJ) के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने 27 मार्च 2023 को पदभार ग्रहण किया।

प्रमुख बिंदु

- उन्हें **बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर** ने पद की शपथ दिलाई। वह केरल उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं।
- केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा नियुक्ति नोटिस जारी किया गया।
- पटना उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजय करोल को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया।
- संविधान के **अनुच्छेद 217** के तहत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई), उस राज्य के राज्यपाल के परामर्श से की जाएगी।
- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के अलावा अन्य मामलों में, राष्ट्रपति उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भी परामर्श लेते हैं।

पटना की मोनिका दास बनीं चुनाव आयोग की स्टेट आइकॉन

वर्तमान सन्दर्भः वर्तमान परिस्थितियों में, **मोनिका दास, बिहार की स्टाइलिश ट्रांसजेंडर के रूप में लोकप्रिय** हैं, जिन्हें राज्य चुनाव आयोग ने राज्य आइकॉन बनाया है।

- पहले, मोनिका दास ने 2020 बिहार विधानसभा चुनाव में राज्य की **पहली ट्रांसजेंडर महिला प्रेसाइडिंग ऑफिसर** के रूप में चुनाव कार्य को संपादित किया था।
- मोनिका दास देश की **पहली ट्रांसजेंडर बैंकर** बनकर इतिहास रच चुकी हैं।
- वर्तमान में मोनिका दास केनरा बैंक, पटना में अधिकारी हैं।
- **बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी : एच.आर. श्रीनिवास**
- **भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त : राजीव कुमार**

डॉ. शकील अहमद खान

वर्तमान संदर्भः बिहार विधानसभा में कांग्रेस के विधायक दल के नेता डॉ. शकील अहमद खान को देश के सर्वश्रेष्ठ विधायक के रूप में नामित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- यह पुरस्कार **मुंबई में राष्ट्रीय विधायक सम्मेलन** में दिया गया।
- उन्हें प्रगतिशील कार्यों के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास कार्यों में सर्वोत्तम योगदान के लिए **सदन में सर्वोच्च आवाज की श्रेणी में** सम्मानित किया गया।
- वे पहली बार 2015 में **कटिहार जिले की कदवा विधानसभा सीट से विधायक** चुने गए थे।
- उन्होंने 2020 में दूसरी बार फिर से इसी सीट से चुनाव जीत।

मैथिली ठाकुर

वर्तमान संदर्भः **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) ने** जलवायु परिवर्तन से प्रभावित देश के विभिन्न भागों में **गीतों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता फैलाने** के लिए **गायिका मैथिली ठाकुर** को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है।

प्रमुख बिंदु

- मैथिली ठाकुर का जन्म बिहार के **मधुबनी जिले** के **बेनीपट्टी** में हुआ था।
- वह भारतीय शास्त्रीय संगीत और लोक संगीत में प्रशिक्षित एक **भारतीय पार्श्व गायिका** हैं।
- उन्होंने बिहार के पारंपरिक लोक गीतों को **मैथिली, भोजपुरी और हिंदी में** प्रस्तुत किया है।
- जनवरी 2023 में चुनाव प्रक्रिया में उनकी भागीदारी के लिए मतदाताओं में जागरूकता पैदा करने के लिए **चुनाव आयोग द्वारा उन्हें बिहार के लिए राज्य आइकन** के रूप में नियुक्त किया गया था।

कृष्ण नंदन सिंह

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में, **डॉ. कृष्ण नंदन सिंह को** पटना उच्च न्यायालय के **अतिरिक्त महान्यायभिकर्ता** यानी **एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG)** के रूप में फिर से नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- ASG कोई संवैधानिक पद नहीं है।
- यह पद **विधि अधिकारी (सेवा की शर्तें) नियम, 1987** द्वारा शासित होता है।

नोट: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 65 में राज्य के लिए महाधिवक्ता के पद का प्रावधान किया गया है। वह राज्य का सर्वोच्च कानून अधिकारी होता है।

न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में, न्यायमूर्ति **विपुल मनुभाई पंचोली** ने पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

पटना उच्च न्यायालय का इतिहास

- 1 दिसंबर, 1913 को भारत के वायसराय और गवर्नर-जनरल, **पेंसहर्स्ट के लॉर्ड हार्डिंग ने** पटना उच्च न्यायालय के भवन की आधारशिला रखी गई थी।
- **पटना उच्च न्यायालय** ने वर्ष 1916 में मुख्य न्यायाधीश और छह उप न्यायाधीशों के साथ काम शुरू किया।
- पटना उच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश सर जस्टिस **एडवर्ड मेनार्ड डेस चैंप्स चामियर** थे।
- पटना उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश **न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन** हैं।
- 26 जुलाई, 1948 तक, जब उड़ीसा के लिए एक उच्च न्यायालय का गठन किया गया, तब तक पटना उच्च न्यायालय के पास बिहार और उड़ीसा प्रांत के क्षेत्रों पर अतिरिक्त से अधिकार क्षेत्र था।
- स्वतंत्रता के बाद पटना उच्च न्यायालय के पहले भारतीय मुख्य न्यायाधीश **पंडित लक्ष्मी कांत झा** थे।
- **सुश्री रेखा दोषित** पटना उच्च न्यायालय की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश थीं।
- **सुश्री ज्ञान सुधा मिश्रा** बिहार से उच्चतम न्यायालय में नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश थीं।

फलक खान

वर्तमान संदर्भ: अभिनेता **फलक खान** की लघु फिल्म **'चंपारण मटन'** ने ऑस्कर के **छात्र अकादमी पुरस्कार** के सेमीफाइनल दौर में अपनी जगह बनाई हैं।

प्रमुख बिंदु

- **फलक खान** बिहार के मुजफ्फरपुर की रहने वाली हैं।
- इस फ़िल्म का निर्देशन **भारतीय फ़िल्म एवं टेलीविज़न संस्थान (FTII), पुणे के रंजन कुमार** ने किया है।

डॉ बिंदेश्वर पाठक

वर्तमान संदर्भ: **सुलभ इंटरनेशनल** के संस्थापक और सामाजिक कार्यकर्ता **बिंदेश्वर पाठक** का 15 अगस्त, 2023 को हृदयगति रुकने के कारण निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे।

डॉ बिंदेश्वर पाठक

- उनका जन्म 2 अप्रैल, 1943 को **बिहार के हाजीपुर में** हुआ था।
- उन्हें वर्ष 1991 में **पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया था।
- वर्ष 2003 में, उन्हें **ग्लोबल 500 रोल ऑफ ऑनर** में शामिल किया गया।
- वर्ष 2009 में, उन्हें **प्रतिष्ठित स्टॉकहोम वाटर पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।

- वर्ष 2016 में उन्हें के **गांधी शांति पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है।
- वर्ष 2020 में, एक सामाजिक नवप्रवर्तक के रूप में उनके काम का विवरण देने वाली एक पुस्तक, **'नमस्ते, बिंदेश्वर पाठक!'** प्रकाशित की गयी थी।

सुलभ इंटरनेशनल : बिंदेश्वर पाठक ने वर्ष 1970 में बिहार में, सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन की स्थापना की।

- यह हाथ से मैला ढोने की प्रथा (Manual Scavenging) को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ सफाई व्यवस्था को उन्नत करने से अनगिनत लोगों का जीवन बेहतर हुआ है।
- यह एक सामाजिक सेवा संगठन है, जो देश में मानवधिकारों और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।
- इसका मुख्यालय- **नई दिल्ली** में है।

बाबू देवशरण सिंह

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में 17 अगस्त 2023 को बाबू देवशरण सिंह की **123वीं जयंती** मनाई गयी।

देवशरण सिंह के बारे में : उनका जन्म 17 अगस्त 1901 को बिहार के **शाहाबाद (अब भोजपुर)** जिले में हुआ था।

- इनकी **मृत्यु 9 जुलाई 1975** को हुई।
- इन्होने अपने छात्र जीवन में 1920 में **असहयोग आंदोलन** में भाग लिया।
- इन्होने 1927 ई. में वकालत प्रारम्भ की, 1931, 1932 ई. में **सविनय अवज्ञा आन्दोलन** में भाग लिया।
- 1936 ई. से ये किसान आंदोलनों में सक्रिय रहे और कई बार गिरफ्तार हुए और जेल भेजे गये।
- 1937 में इन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस महासमिति के सदस्य के रूप में चुना गया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रहे।
- 1946 में बिहार विधान सभा के निर्वाचित सदस्य बने।
- 1952 में, ये **स्वास्थ्य विभाग के कैबिनेट मंत्री** बने।
- 1953 में ये बिहार विधान परिषद के निर्वाचित सदस्य थे।
- इन्होने 1963 से 1965 तक **बिहार राज्य योजना एवं विकास बोर्ड के अध्यक्ष** के रूप में कार्य किया।
- ये30 अगस्त 1965 से 6 मई 1968 तक बिहार विधान परिषद के माननीय सभापति रहे।

बिहार विधान परिषद का इतिहास

- परिषद का गठन **भारतीय परिषद अधिनियम 1861,** भारत सरकार अधिनियम 1909 **(1912 में संशोधित)** के तहत किया गया था और विभिन्न श्रेणियों से संबंधित कुल **43 सदस्यों को** इसमें लिया गया था।
- परिषद की पहली बैठक **20 जनवरी, 1913 को बांकीपुर (पटना)** में आयोजित की गई थी।
- भारत के गणतंत्र बनने के बाद 16 फरवरी 1950 को **श्यामा प्रसाद सिन्हा** की अध्यक्षता में बीएलसी (**Bihar Legislative Council**) की बैठक आयोजित की गई।
- 1 अप्रैल, 1950 को **बीएलसी का सचिवालय सक्रिय** हुआ।

चन्द्रशेखर सिंह

वर्तमान संदर्भ: 17 अगस्त 2023 को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री **चन्द्रशेखर सिंह की 95वीं जयंती** कांग्रेस प्रदेश कार्यालय **सदाकत आश्रम** में मनाई गई।

प्रमुख बिंदु

- उनका **जन्म 17 अगस्त 1927** को बिहार के **जमुई जिले** में हुआ था और उनकी **मृत्यु 9 जुलाई 1986** को हुई थी।
- वह **14 अगस्त 1983 से 12 मार्च 1985** के बीच बिहार के **16वें मुख्यमंत्री** रहे।
- उन्होंने केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और **भारत के पहले कपड़ा मंत्री** के रूप में भी कार्य किया।
- वह **राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी** से सम्बन्धित थे।
- वह **कुल 5 बार** भारत की संसद के लिए चुने गये।

अमर शहीद रामफल मंडल

वर्तमान संदर्भ: 23 अगस्त 2023 को **शहीद रामफल मंडल** की 80वीं पुण्य तिथि थी।

अमर शहीद रामफल मंडल

- उनका **निधन 6 अगस्त 1924** को बिहार के **सीतामढी जिले के बाजपट्टी** प्रखण्ड में हुआ था।
- उन्हें गिरफ्तार कर **डुमरा जेल में कैद** कर दिया गया और बाद में उन्हें **भागलपुर सेंट्रल जेल** में स्थानांतरित कर दिया गया।
- उन्हें **15 अगस्त 1943 को** मौत की सजा सुनाई गई और **23 अगस्त 1943 की** सुबह **भागलपुर सेंट्रल जेल** में फांसी दे दी गयी।
- उन्हें **19 साल और 17 दिन की उम्र** में फाँसी दी गई थी।
- उन्होंने 1942 के **भारत छोड़ो आंदोलन** में भाग लिया और **आजाद हिंद फौज में भी भूमिका** निभाई।

योजना / स्कीम/ नीति

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना

वर्तमान संदर्भः बिहार में उद्यमिता को विकसित करने के लिए, सरकार ने मुख्यमंत्री उद्यमी योजना शुरू की।

प्रमुख बिंदु

- उद्यमी योजना ऑनलाइन पहली बार 2018 में जारी की गई थी।
- प्रारंभ में यह विशेष रूप से **एससी और एसटी जातियों** के लोगों के लिए खुला था।
- इसे 2019 में पुनः शुरू किया गया और पिछड़ी जातियों को भी योजना से जोड़ दिया गया।
- इस योजना के तहत, राज्य सरकार चयनित लाभार्थियों **को 10,00,000 रुपये (दस लाख रुपये) का ऋण** प्रदान करेगी।
- लाभार्थियों को **शून्य प्रतिशत ब्याज** के आधार पर केवल **5,00,000 रुपये** का भुगतान करना होगा।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के पात्रता हेतु मानदंड

- केवल **बिहार निवासी** आवेदन आवेदन के पात्र होंगे।
- इस योजना के लिए निर्धारित **आयु 18 से 50 वर्ष** है।
- एससी या एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग के नागरिक आवेदन कर सकते हैं।
- इस योजना के लिए आपके पास चालू खाता होना अनिवार्य है।

योजना के लाभ

- इस योजना तहत उद्योग स्थापित करने के लिए **10 लाख रुपये** की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।
- इस योजना के माध्यम से, एससी और एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के नागरिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार किया जाएगा।
- **यह योजना संस्थागत वित्तपोषण प्रदान करके बिहार की ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाता है।**
- यह बिहार में ग्रामीण और शहरी रोजगार को बढ़ावा देगा।

यशस्वी मुखिया

वर्तमान संदर्भः बिहार में, मुखिया द्वारा अपने संबंधित **पंचायत** में किए गए विकास और **विकास गतिविधि की पहचान** करने हेतु पहली बार यशस्वी मुखिया कार्यक्रम की शुरुवात की गयी।

प्रमुख बिंदु

- गाँव के विकास में ही देश का विकास है, और ग्राम प्रधान अपनी दूरदर्शिता और अथक प्रयासों से गाँव का विकास करता है।
- विकेंद्रीकरण नीति को बढ़ावा देना।

मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध निश्चय योजना

वर्तमान संदर्भः हाल ही में बिहार सरकार ने सात निश्चय योजना पार्ट-2 सिंचाई का पानी कार्यक्रम के तहत किसानों को 96 हजार नए बिजली कनेक्शन देने की मंजूरी दी।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध निश्चय योजना की शुरुआत 2020 में हुई थी।
- इस योजना के तहत 291 विद्युत उपकेन्द्रों का निर्माण किया गया है।
- बिजली के लकड़ी के खंभे की जगह सीमेंट कंक्रीट के बिजली के खंभे ने ले ली है।
- प्रदेश में कुल बिजली कनेक्शन **3 लाख 62 हजार** हो गया।
- इस पहल के तहत कुल **1354 कृषि समर्पित फीडर बनाए गए** ।
- यह बिहार में सिंचाई प्रणाली में सुधार करेगा और सरकार को अपने 7 संकल्प को प्राप्त करने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री बिजली उपभोक्ता सहायता योजना

वर्तमान संदर्भः हाल ही में बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री बिजली उपभोक्ता सहायता योजना के तहत किसान को 13,114 करोड़ की सब्सिडी स्वीकृत की है।

प्रमुख बिंदु

- यह **2018 में शुरू** हुआ था, बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल पर प्रति यूनिट सब्सिडी देने के लिए राज्य कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।
- इससे बिहार के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी।
- बिहार विद्युत नियामक आयोग ने रेट में **24.10 फीसदी** की बढ़ोत्तरी की, इसका असर उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा।
- बिजली दर 2022-23 में पिछले वित्तीय वर्ष के समान ही रहेगी।

- वर्तमान में बिहार को **5.82 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदनी पड़ती है** , जबकि गुजरात जैसे राज्यों को **केंद्रीय बिजली इकाई से 3.74 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली मिल रही है।**

बिहार विधवा पेंशन योजना

वर्तमान संदर्भः हाल ही में बिहार सरकार ने विधवा पेंशन योजना के लिए पंजीकरण खोला है।

प्रमुख बिंदु

- समाज कल्याण द्वारा **लक्ष्मी बाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना** के **तहत योजना 2019** में शुरू की गई थी।
- महिलाएँ **बिहार की स्थायी निवासी होनी चाहिए** ।
- इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक महिला को बिना पति, माता-पिता और पुत्र के विधवा महिला होना चाहिए।
- आवेदक महिला की आयु **कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए।**
- परिवार की वार्षिक कुल आय **60 हजार** रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए
- इस योजना के तहत **विधवा महिलाओं को 500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे** ।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य विधवा महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार करना है।
- पेंशन का लाभ लेने से महिलाओं को किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।
- पति की मृत्यु होने पर विधवा महिला अपना जीवन अच्छे से व्यतीत कर सकती है।

बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2016

वर्तमान सन्दर्भः बिहार औद्योगिक निवेश संवर्धन नीति 2016 **प्रति वर्ष 15% की औद्योगिक विकास वृद्धि दर** प्राप्त करने के लिए शुरू की गई थी।

प्रमुख बिंदु

- 26 मई 2022 को, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल ने **बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति** (वस्त्र और चमड़ा) 2022 के कार्यान्वयन के प्रस्ताव को मंजूरी दी।
- बिहार भारत के सबसे तेजी से विकासित हो रहे राज्यों में से एक है, 2005-06 से 2014-15 तक बिहार के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (**GSDP**) ने वार्षिक **10.5 प्रतिशत दर से वृद्धि की,** जो सभी प्रमुख भारतीय राज्यों में से सबसे उच्च है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना

वर्तमान सन्दर्भः मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना **27 सितम्बर 2016 को बिहार में शुरू** की गयी थी।

प्रमुख बिंदु

- यह योजना **पंचायती राज विभाग द्वारा कार्यान्वित** की जा रही है।
- **लक्ष्यः** सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के **हर घर में पाइप से साफ और पीने योग्य जल को प्रदान करना।**
- इस योजना का उद्देश्य **राज्य के 8386 ग्राम पंचायतों में कुल ग्रामीण वार्ड में से 4291 ग्राम पंचायतों के 58,612 ग्रामीण वार्डों** में पीने योग्य (सुरक्षित पेय) पानी की सुविधा प्रदान करना है।

सात निश्चय योजना :

1. आर्थिक हल, युवाओं को बल
2. आरक्षित रोजगार महिलाओं का अधिकार
3. हर घर बिजली
4. हर घर नल का जल
5. घर तक पक्की गली-नालियाँ
6. शौचालय निर्माण, घर का सम्मान
7. अवसर बढ़ें आगे पढ़ें

किसान क्रेडिट कार्ड योजना (KCC)

वर्तमान संदर्भः वर्तमान वित्तीय वर्ष में बिहार सरकार ने केसीसी योजना के तहत **ऋण वितरण के लक्ष्य को दोगुना** कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- बिहार राज्य सहकारी बैंक सभी 38 जिलों में 150,000 पंजीकृत किसानों को ऋण वितरित करने की तैयारी कर रहा है।
- वर्ष **2021-22** में लगभग **50 हजार किसानों को 133 करोड़ 52 लाख रुपये का ऋण वितरित** किया गया.
- पूरे राज्य के लिए 5 अरब रुपये का ऋण वितरण स्वीकृत किया गया है।

किसान क्रेडिट कार्ड

- किसान क्रेडिट कार्ड योजना **1998 में शुरू** की गई थी।
- 18 दिसंबर 2020 को भारत के प्रधानमंत्री ने किसान क्रेडिट कार्ड के लिए संशोधित योजना की शुरुआत की।
- **उद्देश्यः** एकल खिड़की के तहत बैंकिंग प्रणाली से **पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता** प्रदान करना।

सात निश्चय योजना -2

वर्तमान संदर्भः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 29 मई 2023 को **सात निश्चय योजना-2 के तहत हर खेत को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने की योजना की उच्च स्तरीय समीक्षा की।**

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 2025 तक हर खेत में सिंचाई उपलब्ध कराने के संकल्प को पूरा करने के निर्देश दिए।

सात निश्चय (सात निश्चय) भाग -1 (2015 - 2020)

- आर्थिक हल युवाओं को बल
- आरक्षित रोजगार महिलाओं का अधिकार
- हर घर बिजली
- हर घर नल का जल
- घर तक पक्की गली और नाली
- शौचालय निर्माण घर का सम्मान
- अवसर बढ़े आगे पढ़े

सात निश्चय (सात निश्चय) भाग -2 (2020-2025)

- युवा शक्ति - बिहार की प्रगति
- सशक्त महिला, सक्षम महिला
- हर खेत को सिंचाई का पानी
- स्वच्छ गाँव - समृद्ध गाँवशहर
- स्वच्छ शहर - विकसित
- आसान कनेक्टिविटी
- सभी के लिए अतिरिक्त स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं

'एक पंचायत, एक बैंक खाता' योजना

वर्तमान संदर्भः बिहार का पंचायती राज विभाग **'एक पंचायत, एक बैंक खाता'** योजना शुरू करने जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- इसे बिहार की 8057 पंचायतों में शुरू किया जाएगा।
- वर्तमान में, **8 बैंकों के साथ समझौता** किया गया है। इनमें भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक, दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, सेंट्रल बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और आईसीआईसीआई शामिल हैं।
- प्रत्येक पंचायत का इनमें से किसी भी बैंक में केवल एक बैंक खाता होगा।

बिहार की 'दीदी की रसोई' योजना

वर्तमान संदर्भः हाल ही में, महाराजगंज के अनुमंडलीय अस्पताल में 'दीदी की रसोई' का उद्घाटन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- "दीदी की रसोई" जीविका-बीपीएलपीएस (JEEViKA-BPLPS) की एक पहल है, जो **"समुदाय-आधारित कैंटीन"** पर आधारित है, जिसमें सरकारी अस्पतालों और उप-विभागीय रेफरल अस्पतालों जैसे संस्थागत संगठनों को गुणवत्ता और स्वच्छ भोजन और पेय सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।
- **इस पहल का उद्देश्य** एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जहां गुणवत्तापूर्ण और स्वच्छ भोजन उचित कीमतों पर उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे समुदाय के लिए आजीविका के अवसर सुनिश्चित हो सकें

जीविका के उद्देश्य

- उच्च गुणवत्ता वाली कैंटीन समुदाय के सदस्यों द्वारा संचालित की जाएगी जो उद्यमियों के रूप में उभरेंगे।
- समुदाय के सदस्यों के पास कैंटीन के माध्यम से लाभकारी रोजगार का स्रोत होगा।

स्टार्ट-अप नीति 2022

वर्तमान संदर्भः हाल ही में **बिहार स्टार्ट-अप के लिए पंजीकरण** शुरू हुआ।

पात्रता की शर्तें

- उद्यम **10 वर्ष से अधिक पुराना नहीं होना** चाहिए।
- किसी भी वर्ष उद्यम का पुराना वार्षिक कारोबार **100 करोड़ रुपये** से अधिक नहीं हो।

- उद्यम किसी उत्पाद, प्रक्रिया या सेवा के विकास, आविष्कार या सुधार से संबंधित हो या इसमें रोजगार सृजन या आर्थिक धन सृजन की अत्यधिक विस्तार योग्य क्षमता हो।
- स्टार्ट-अप का **रजिस्ट्रेशन और कार्यालय (office) बिहार में** होना चाहिए।
- कंपनी की गतिविधियों पर लागू **करों का भुगतान बिहार में** किया जाना चाहिए।
- किसी पुरानी कंपनी के पुनर्गठन या विघटन से बनी कंपनी को स्टार्ट-अप नहीं माना जाएगा।

योजना के लाभ

- यह 10 वर्षों के लिए स्टार्ट-अप हेतु 10 लाख रुपये का **ब्याज मुक्त प्रारम्भिक कोष** प्रदान करेगी।
- यह **महिला उद्यमियों के स्टार्ट-अप के लिए 5%** और **एससी/एसटी/दिव्यांगों के स्टार्ट-अप के लिए 15%** अतिरिक्त कोष प्रदान करेगी।
- यह **उत्पाद संवर्धन और वित्त पोषण के लिए कठोर प्रशिक्षण** हेतु **3 लाख तक** का अनुदान देगी।
- एंजेल निवेशकों से निवेश प्राप्त होने पर निवेश का **2% सफलता शुल्क**।
- यदि स्टार्ट-अप कंपनी को सेबी (SEBI) पंजीकृत श्रेणी-I AIF और एंजेल समूहों से धन प्राप्त होता है, तो अतिरिक्त कोष के रूप में बिहार स्टार्ट-अप फंड ट्रस्ट से **मैचिंग लोन**।

बिहार इनोवेशन चैलेंज-2023

वर्तमान संदर्भ: बिहार इनोवेशन चैलेंज-2023 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म आरम्भ, **8 लाख तक नकद पुरस्कार** की घोषणा।

बिहार इनोवेशन चैलेंजेस-2023 के बारे में: यह **स्टार्टअप बिहार** उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित एक **अखिल भारतीय इनोवेशन चैलेंज** है।

उद्देश्य- सभी स्तरों पर नवाचार को बढ़ावा देना और सफल उद्यमों के माध्यम से इन नवाचारों का व्यावसायीकरण करना।

प्रतिभागी: यह कार्यक्रम पूरे भारत से **छात्रों, नवप्रवर्तकों, स्टार्टअप, अनुसंधान** विद्वानों आदि को आवेदन करने के लिए आमंत्रित करता है जो अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके नवीन समाधान विकसित कर रहे हैं और निम्नलिखित क्षेत्रों में तैयार अवधारणा/प्रोटोटाइप का प्रदर्शन कर सकते हैं:

- रोबोटिक्स और ड्रोन
- कृषि तकनीक और संबद्ध क्षेत्र
- मेड-टेक/बायोटेक/हेल्थ-टेक
- धरोहर, संस्कृति और पर्यटन
- स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण
- फिनटेक
- शिक्षा-तकनीक

प्रतिभागियों का वर्गीकरण

- **श्रेणी A** - स्कूली छात्र
- **श्रेणी B** - कॉलेज के छात्र
- **श्रेणी C** - स्टार्टअप/अनुसंधान छात्र।

पुरस्कार की श्रेणी

श्रेणी A: स्कूली छात्र

- **प्रथम पुरस्कार** - लैपटॉप
- **दूसरा पुरस्कार** - टेबलेट
- **तीसरा पुरस्कार** - स्मार्ट घड़ियाँ

श्रेणी B: कॉलेज के छात्र

- **प्रथम पुरस्कार** - 1 लाख रूपये
- **दूसरा पुरस्कार** - 75 हजार रुपये
- **तृतीय पुरस्कार** - 50 हजार रूपये

श्रेणी C: स्टार्टअप/अनुसंधान छात्र

- **प्रथम पुरस्कार** - 3 लाख रूपये
- **दूसरा पुरस्कार** - 2 लाख रुपये
- **तीसरा पुरस्कार** - 1 लाख रूपये

चयन प्रक्रिया: शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को एक कार्यशील प्रोटोटाइप/मॉडल तैयार करना होगा, और ग्रैंड फिनाले के दौरान जूरी सदस्यों के सामने इसके व्यावसायिक विवरण को प्रदर्शित करना होगा।

मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण योजना (संबल)

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में, बिहार सरकार द्वारा **मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण विद्यार्थी योजना** के अंतर्गत दिव्यांगजनों को **बैटरी चालित ट्राइसाइकिल का निःशुल्क** वितरण किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना को **संबल योजना** के नाम से भी जाना जाता है।
- **इस योजना का मुख्य उद्देश्य** दिव्यांगों के कल्याण हेतु राज्य सरकार द्वारा संचालित दिव्यांगता क्षेत्र की सभी योजनाओं का त्वरित लाभ प्रदान करना है।
- विकलांगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, उन्हें शारीरिक, सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना।

योजना के लाभ के लिए पात्रता

- लोकोमोटर विकलांग छात्र जिनका निवास स्थान बिहार राज्य में स्थित कॉलेज/विश्वविद्यालय परिसर से **तीन किलोमीटर या उससे अधिक की दूरी पर** है। या
- लोकोमोटर विकलांग व्यक्ति जो आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से बिहार राज्य में कार्यरत हैं और परिवार के कमाऊ सदस्य हैं और उनका रोजगार स्थान उनके निवास स्थान से **तीन किलोमीटर या उससे अधिक की दूरी** पर है।
- **बिहार राज्य का स्थायी निवासी** होना तथा बिहार में निवास करना अनिवार्य हैः
- आय- **अधिकतम 2 लाख प्रति वर्ष**
- आयु- **18 वर्ष या अधिक**
- विकलांगता प्रतिशत- **न्यूनतम 60 प्रतिशत** सक्रिय विकलांगता।
- वितरणः- संबंधित जिले के सहायक निदेशक, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा शिविर के माध्यम से वितरण किया जायेगा।

Scan to
Know More

पुस्तक

बिहार दैट वाज़ एंड नाउ

वर्तमान संदर्भः बिहार के मुख्यमंत्री ने **'बिहार दैट वाज एंड नाउ'** पुस्तक का विमोचन किया।

- इसे **पद्म श्री पुरस्कार** से सम्मानित **लेखक** रघु **राय और उनकी पत्नी लेखिका उषा राय** ने लिखा है।
- यह पुस्तक **बिहार के गौरव** और **बिहार की वर्तमान स्थिति** को दर्शाती है।

पुस्तक 'नालंदा'

वर्तमान संदर्भः कवि-राजनयिक **अभय कुमार की नई पुस्तक 'नालंदा'** अगले साल अक्टूबर में जारी की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- यह पुस्तक **नालंदा के महाविहार की असाधारण यात्रा को उजागर करती** है : जो दुनिया का पहला विश्वविद्यालय है।
- यह पुस्तक नालंदा के कई महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों द्वारा दिए गए अमूल्य योगदान की पड़ताल करती है, जिन्होंने गणित, दर्शन, कविता, तर्क और विभिन्न क्षेत्रों में क्रांति ला दी।
- अभय कई कविता पुस्तकों के लेखक हैं जैसे स्ट्रे पोयम्स, मानसून, मेडागास्कर का जादू और लैटिन अमेरिका की वर्णमाला।
- उनके कविता-गीत '**अर्थ एंथम**' का 150 से अधिक भाषाओं में अनुवाद किया गया है।
- उन्हें **सार्क साहित्यिक पुरस्कार** (2013) मिला है।
- उन्होंने संस्कृत से कालिदास के मेघदूतम् और ऋतुसंहारम् के अनुवाद के लिए केएलएफ पोएट्री बुक ऑफ द ईयर अवार्ड (2020-21) जीता।

बिहार बढ़कर रहेगा

वर्तमान सन्दर्भः स्वर्गीय जगन्नाथ मिश्र द्वारा लिखित पुस्तक **'बिहार बढ़कर रहेगा'** को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके पुत्र ने भेंट की।

प्रमुख बिंदु

- **वे तीन बार 1975, 1980 और 1989 में बिहार के मुख्यमंत्री** चुने गए।
- वे राज्य के अंतिम कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे।
- वे वर्ष 1995 में केंद्र में प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार में कृषि मंत्री भी रहे।
- **वे वर्ष 1988 – 1990 और वर्ष 1994 – 2000** के बीच राज्यसभा सांसद भी रहे।
- राजनीति में आने से पहले वे बिहार विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर थे।

कृषि

आहर पाइंस

वर्तमान संदर्भः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि आहर पाइन्स नेटवर्क का काम **पांच हजार साल** पहले बिहार के **दक्षिणी क्षेत्र** में शुरू हुआ था।

आहर पाइंस प्रणालीः यह दक्षिण बिहार की **पारंपरिक बाढ़** संचयन प्रणाली है।

प्रमुख बिंदु

- यह लगभग 5000 साल पहले मगध राजवंश के दौरान विकसित किया गया था और दक्षिण बिहार के गया जिले में विशेष रूप से लोकप्रिय है
- दक्षिण बिहार का आहर पाइन समुदाय-प्रबंधित सिंचाई प्रणाली का एक उत्कृष्ट उदाहरण है और इसे तत्काल पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।
- अब इस पद्धति पर बिहार में नदियों को जोड़ा जा रहा है।

गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला

वर्तमान संदर्भः मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के लिए **सहरसा, भागलपुर, मुजफ्फरपुर में गुणवत्ता नियंत्रण** प्रयोगशाला स्थापित की जा रही है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के किसान यूरिया का अधिक प्रयोग करते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष **2022-23** में उर्वरक की कुल खपत **35 लाख मीट्रिक टन** थी, जिसमें से 21.40 मीट्रिक टन यूरिया है, और लगभग 61% यूरिया की खपत हुई है।
- वर्ष 2021-22 में 30.86 मीट्रिक टन की कुल खपत में से यूरिया की मात्रा 19.92 मीट्रिक टन थी, जिसमें लगभग 64% खपत यूरिया की थी।
- इसलिए इनकी मात्रा को एक निश्चित अनुपात में मानक के अनुरूप रखना आवश्यक हो जाता है।

मर्चा चावल

वर्तमान संदर्भः बिहार के पश्चिम चंपारण जिले की मिर्चा चावल की किस्म को हाल ही में जीआई टैग प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- यह विशेष रूप से बिहार के पश्चिमी चंपारण जिलों में उत्पादित किया जाता है।
- यह अपनी **विशिष्ट सुगंध, स्वाद और चावल के गुच्छे (चुरा) की गुणवत्ता** के लिए जाना जाता है।
- इसमें चावल के दानों का आकार और आकार काले पेपर के समान होता है, जो इसके नाम के पीछे का कारण है।
- चावल मुख्य रूप से पश्चिम चंपारण जिले के मैनाटांड़, गौनाहा, नरकटियागंज, रामनगर और चनपटिया ब्लॉक में उगाया जाता है।
- धान **145-150 दिनों** में कटाई के लिए तैयार हो जाता है।

अन्य कृषि जीआई उत्पाद

- **भागलपुर का** जर्दालू आम, कतरनी चावल।
- **मुजफ्फरपुर** की शाही लीची।
- **मगध** क्षेत्र का माघी पान।
- **मिथिला** क्षेत्र का मखाना।

वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास

वर्तमान संदर्भः वर्षा आधारित क्षेत्र विकास में **5 नए जिलों** को शामिल किया गया और बिहार सरकार द्वारा **75 लाख रुपये** की पहली किस्त जारी की गई।

प्रमुख बिंदु

- **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई)** की उप-योजना **कृषि सहयोग और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार** के तहत शुरू किया गया था।
- इससे पहले प्रदेश के 12 जिलों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा था।
- इस कार्यक्रम में जोड़े गए 5 नए जिले पटना, अरवल , भागलपुर, भोजपुर और बक्सर हैं , अब इसे बिहार के 17 जिलों में लागू किया गया है।
- ये सभी जिले दक्षिण बिहार, दक्षिण पूर्व बिहार और दक्षिण मध्य बिहार के हैं।
- इस योजना के तहत सरकार हर साल **5 करोड़ रुपये** खर्च करेगी।
- इसके तहत जिले के किसानों को क्लस्टर बनाया जाएगा।
- एक किसान को **अधिकतम दो हेक्टेयर भूमि अनुदान के रूप में** दी जायेगी।

योजना का उद्देश्यः इसका उद्देश्य सूखे, बाढ़ या असमान वर्षा के कारण संभावित फसल की विफलता के प्रतिकूल प्रभाव को कम करना है।

इसके तहत तीन प्रकार की योजनाओं का संचालन किया जाएगा

- **फसल आधारित- इसके लिए अधिकतम 10 हजार अनुदान** दिया जाएगा।
- **उद्यानिकी आधारित-** इसके लिए **अधिकतम 25 हजार अनुदान** दिया जाएगा।
- **पशुधन आधारित योजनाएं-** इसके लिए **अधिकतम 40 हजार अनुदान** दिया जाएगा।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई)

- RKVY को **2007 में 4% वार्षिक कृषि विकास प्राप्त करने** में कृषि क्षेत्र को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से पेश किया गया था।
- RKVY को 2007 में **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)** के रूप में **राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- 2017** में कृषि और संबद्ध क्षेत्र कायाकल्प (RKVY-RAFTAAR) के लिए लाभकारी दृष्टिकोण के रूप में लॉन्च किया गया था।

बिहार का खरीफ महाभियान-2023

वर्तमान संदर्भः बिहार के मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार ने **24 मई, 2023** को **खरीफ महाअभियान** -2023 का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- सीएम ने 38 अभियान रथों को हरी झंडी दिखाकर सभी जिलों में भेजा।
- मुख्यमंत्री ने खरीफ महाभियान-2023 कार्यक्रम के विभिन्न घटकों से संबंधित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया।
- खरीफ सीजन में खरीफ फसलों और कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में तकनीकी जानकारी प्रदान करना।
- फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाना, मौसम के अनुकूल कृषि कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी, जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन, हर खेत को सिंचाई का पानी आदि।
- सात निश्चय (सात निश्चय) भाग-2 के तहत हर खेत आदि को सिंचाई के लिए पानी के कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करना।

भारत में तीन फसल मौसम हैं - रबी, खरीफ और जैद।

1. **खरीफ फसलें**
   - **वर्षा ऋतु में बोई जाने वाली** फसलों को खरीफ फसल कहा जाता है।
   - खरीफ फसलें देश के विभिन्न हिस्सों में मानसून की शुरुआत के साथ उगाई जाती हैं और इनकी कटाई सितंबर-अक्टूबर में की जाती है।
   - **धान, ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, सोयाबीन, सूरजमुखी** के बीज, **तिल, नाइजर के बीज, मूंगफली, गन्ना** और **कपास** खरीफ फसलें हैं।
   - गन्ने को उगाने में लगभग एक साल का समय लगता है।
2. **रबी फसलें**
   - रबी फसलों को **सर्दियों में अक्टूबर से दिसंबर तक** बोया जाता है और गर्मियों में अप्रैल से जून तक काटा जाता है।
   - **गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों** और **अलसी** रबी की फसलें हैं।
3. **जायद फसलें**
   - **रबी और खरीफ मौसम के बीच,** गर्मियों के महीनों के दौरान एक छोटा मौसम होता है जिसे जायद मौसम के रूप में जाना जाता है।
   - **तरबूज, खरबूजा, ककड़ी, सब्जियां** और चारा फसलें जायद फसलें हैं।

जैव ईंधन उत्पादन

वर्तमान संदर्भः हाल ही में, बिहार कैबिनेट ने **बिहार जैव ईंधन उत्पादन प्रोत्साहन नीति, 2023 को मंजूरी दे दी।** यह राज्य में इथेनॉल के अलावा **संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी)** के उत्पादन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

महत्व

- इससे जलवायु संरक्षण, **प्राकृतिक गैस के आयात को कम करने** और राज्य में रोजगार पैदा करने में मदद मिलेगी।
- इससे किफायती दर पर **स्वच्छ ईंधन** चुनने का अवसर भी मिलेगा।

प्रयोजनः अपशिष्ट एवं अन्य खाद्यान्नों से संपीड़ित बायोगैस के स्थापन हेतु।

विशेषता

- यह नीति, अन्य प्रोत्साहनों के अलावा, निवेशकों को **15%** या अधिकतम **5 करोड़ रुपये की पूँजीगत सब्सिडी** की पेशकश करती है।
- महिलाओं, एससी/एसटी, ईबीसी वर्ग के लोगों को राज्य सरकार से **15.75% या अधिकतम 5.25 करोड़** रुपये की पूँजीगत सब्सिडी मिलेगी।

कैबिनेट के अन्य निर्णय

- इसने जिला अदालतों, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय सहित विभिन्न पदों पर सरकारी अभियोजकों की नियुक्ति की नीति को मंजूरी दे दी। इसकी अनुशंसा करने वाली समिति की अध्यक्षता **महाधिवक्ता** करते हैं।
- **राज्य इथेनॉल नीति, 2022** की वैधता को 30 जून, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

संपीडित बायोगैस (Compressed Biogas)

- संपीडित बायोगैस का उत्पादन बायोमास और अपशिष्ट स्रोतों जैसे **कृषि अवशेष, मवेशी के गोबर, गन्ना के अपशिष्ट, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट और सीवेज उपचार संयंत्र के अपशिष्ट से किया जाता है।**
- केंद्र की किफायती परिवहन के लिए सतत विकल्प यानी **सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टुवड्र्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन (एसएटीएटी), योजना** के अनुसार, संपीडित बायोगैस में लगभग सीएनजी **(संपीड़ित प्राकृतिक गैस)** के समान गुण होता हैं। इसलिए, सीएनजी पर चलने वाले वाहन में बिना किसी संशोधन के सीबीजी भरा जा सकता है।

ऐप एण्ड पोर्टल

ई-संजीवनी पोर्टल

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में बिहार के **स्वास्थ्य मंत्रालय** ने ग्रामीण आबादी के लिए **टेलीमेडिसिन** मुक्त शिविर जारी किया है।

प्रमुख बिंदु

- **ई-संजीवनी पोर्टल** को बिहार सरकार द्वारा **फरवरी 2021** में लॉन्च किया गया था।
- इसे **आयुष्मान भारत** सेंटर फॉर हेल्थ एंड वेलनेस (एबी-एचडब्ल्यूसी) कार्यक्रम के तहत लागू किया गया था।
- इसे केंद्र सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान डॉक्टर-टू-डॉक्टर टेलीकंसल्टेशन को सक्षम करने के लिए लॉन्च किया था।
- यह बिहार के उन **ग्रामीण क्षेत्रों को टेलीकंसल्टेशन प्रदान** करता है जहां तक पहुंच नहीं है।
- ई-संजीवनी के माध्यम से दूरदराज के गांवों में रहने वाले मरीजों को **प्राथमिक स्वास्थ्य** केंद्रों और जिला स्तरीय सदर अस्पतालों से जुड़ी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सकीय सलाह प्रदान की जाएगी।

'मौसम बिहार'

वर्तमान संदर्भ: 27 मई को, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने "मौसम बिहार" नामक एक **मोबाइल ऐप** का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- किसानों और बिहार में रहने वाले लोगों को मौसम के कारण होने वाली आपदाओं से बचाना।
- मोबाइल ऐप के साथ, बिहार के सीएम ने **बिहार मौसम सेवा केंद्र का भी उद्घाटन किया।**

लाभ

- इस ऐप के माध्यम से बिहार के लोग 5 दिन पहले मौसम के पूर्वानुमान की सटीक जानकारी प्राप्त कर सकते **हैं।**
- इस ऐप के साथ, **बिहार भारत का पहला राज्य बन गया है** जिसके पास अपना **राज्य-विशिष्ट मौसम ऐप है।**
- यह बाढ़, सूखा, शीत लहरों, गर्मी की लहरों, चक्रवाती तूफान, बिजली आदि **जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले जान-माल के नुकसान को बचाने में मदद करेगी।**

रक्षक ऐप

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में, रक्षक एप्लिकेशन को **ए एन कॉलेज, पटना के बीसीए तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा विकसित** किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- यह मुख्य रूप से **महिलाओं, लड़कियों और वरिष्ठ** नागरिकों के लिए फायदेमंद होगा।
- किसी भी आपात स्थिति में पीड़ित सिर्फ अपना फोन हिलाकर तीन सदस्यों को लोकेशन के साथ **अलर्ट मैसेज** भेज सकते हैं।
- केवल **वॉल्यूम बटन** दबाकर **इमरजेंसी** के दौरान सेव किए गए नंबरों पर कॉल की जा सकती है।

स्वाभिमान ऐप

वर्तमान संदर्भ: बिहार के लोग अब मोबाइल ऐप के माध्यम से **फुटपाथ विक्रेताओं या रेहड़ी-पटरी वालों** से सामान ऑर्डर कर सकेंगे। इसके लिए प्रदेश के 1.18 लाख पंजीकृत स्ट्रीट वेंडर्स (फुटपाथ विक्रेताओं) को **स्वाभिमान ऐप** से जोड़ा जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- **श्रम संसाधन विभाग** इन सभी विक्रेताओं को 48 घंटे की विशेष ट्रेनिंग देगा ताकि वे सामान की जानकारी ऐप पर अपलोड कर सकें और आम लोग इसके जरिए ऑनलाइन खरीदारी कर सकें।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम **प्रबंधन और उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल परिषद (एमईपीएससी) द्वारा आयोजित किया जाता है।**
- **उद्देश्य:** स्ट्रीट वेंडरों का कौशल विकास करना है। बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा **संकल्प योजना** के तहत प्रशिक्षण दिया जायेगा।
- **बिहार देश का एकमात्र राज्य है** जिसने स्ट्रीट वेंडरों के लिए इस तरह का प्रशिक्षण शुरू किया है।
- फिलहाल **पायलट प्रोजेक्ट के तहत पांच जिलों पटना, वैशाली, नालंदा, सारण और दरभंगा में प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है।** इन जिलों के 1500 स्ट्रीट वेंडरों को प्रशिक्षित किया जायेगा।

- अगले तीन महीने में राज्य के सभी **एक लाख 18 हजार पंजीकृत विक्रेताओं** को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

Groyyo ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म

वर्तमान संदर्भः वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के **उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी)** के एक कार्यक्रम **एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत** मंत्रालय ग्रॉययो के प्लेटफॉर्म पर ओडीओपी के रूप में मान्यता प्राप्त उत्पादों को बेचने वाले एग्रीगेटर्स को शामिल करने के लिए ई-कॉमर्स कंपनी ग्रॉययो (Groyyo) के साथ सहयोग कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

- **ग्रॉययो (Groyyo) के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में,** ओडीओपी के रूप मे मान्यता प्राप्त उत्पादों में **होम टेक्सटाइल, होम डेकोर** आदि जैसी कई श्रेणियाँ शामिल हैं। इस सहयोग को 3 जुलाई, 2023 को आयोजित एक कार्यक्रम के जरिए लॉन्च किया गया था।
- **उद्देश्य :** इस वन-स्टॉप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर टैगिंग का उद्देश्य ओडीओपी उत्पादों को अधिक प्रोत्साहन प्रदान करते हुए प्रत्येक जिले की पहचान को मजबूत करना है।

अवॉर्ड / पुरूस्कार

भारत भूषण पुरस्कार

वर्तमान संदर्भः हाल ही में, बिहार की कवयित्री **अनामिका अनु** को भारतीय कविता के क्षेत्र में "**भारत भूषण पुरस्कार**" से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- उन्हें उनके कविता संग्रह **एनजिकारी** (Enjikari) के लिए सम्मानित किया गया।
- डॉ. अनामिका अनु की रचनाओं का पंजाबी, मलयालम, मराठी, नेपाली, अंग्रेजी सहित कई अन्य भाषाओं में अनुवाद किया गया है।
- वह **बिहार के मुजफ्फरपुर** की रहने वाली हैं, लेकिन फिलहाल वह केरल में रहती हैं।

"भूमि सम्मान" 2023

वर्तमान संदर्भः भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 18 जुलाई, 2023 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "**भूमि सम्मान" 2023** प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- डिजिटल इंडिया भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम **के कार्यान्वयन में उनकी उपलब्धियों के लिए** नौ राज्य के सचिवों और 68 जिला कलेक्टरों को **पुरस्कार दिया गया।**
- **बिहार के पांच जिलों नालंदा, जहानाबाद, भोजपुर, लखीसराय और किशनगंज** को भूमि सम्मान से सम्मानित किया गया।
- **राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग** के अधिकारियों को पारदर्शी भूमि प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए भूमि सम्मान से सम्मानित किया गया।

स्टीवन ओबेगाडु सम्मान

वर्तमान संदर्भः हाल ही में सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार को एक समारोह में **मॉरीशस** के राष्ट्रपति **पृथ्वीराज सिंह रूपन** और उप प्रधानमंत्री द्वारा **स्टीवन ओबेगाडु सम्मान** से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- यह सम्मान समाज के वंचित वर्ग के छात्रों की शिक्षा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया।
- सुपर 30 "**रामानुजन स्कूल ऑफ मैथमेटिक्स**" के बैनर तले चलने वाला एक अत्यधिक महत्वाकांक्षी और नवीन शैक्षिक कार्यक्रम है।
- गणित को सीखना आसान बनाने और वंचित छात्रों को आईआईटी परीक्षा में सफल होने के लिए कोचिंग देने के लिए उन्हें **राष्ट्रीय शिक्षक वैज्ञानिक परिषद (NCTS) द्वारा साराभाई शिक्षक वैज्ञानिक राष्ट्रीय मानद पुरस्कार** 2021 से सम्मानित किया गया।
- इसकी **स्थापना** गणित के शिक्षक **आनंद कुमार** और बिहार के पूर्व डी.जी.पी **अभयानंद** ने 2002 में की थी।

मॉरीशस

- मॉरीशस, **हिंद महासागर** में एक द्वीपीय देश है, जो **अफ्रीका के पूर्वी तट पर** स्थित है।
- भौगोलिक दृष्टि से, यह **मस्कारेने द्वीप समूह** का भाग है।
- **राजधानी** – पोर्ट लुइस।

- **मुद्रा** – मॉरीशस रुपया।
- **राष्ट्रपति**– पृथ्वीराज सिंह रूपन।
- **प्रधान मंत्री**– प्रविंद जगन्नाथ।

जीनोम सेवियर फार्मर्स पुरस्कार

वर्तमान संदर्भः केंद्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्रालय ने 2021-22 के **प्लांट जीनोम सेवियर फार्मर्स पुरस्कार** के लिए **बिहार के चार किसानों और दो किसान समूहों** का चयन किया है।

विजेता

- **भागलपुरी धान उत्पादक संघ**– इस समूह को मौलिक गुणों वाली पारंपरिक **कतरनी धान** की किस्मों के संरक्षण के लिए किए गए प्रयास के लिए सम्मानित किया गया है।
- **बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित लीची उत्पादक संघ**– इसे मूल **शाही लीची किस्म** के संरक्षण की दिशा में संघ द्वारा किए गए प्रयासों के लिए चुना गया है।
- **अर्जुन मंडल**– इन्हें **औषधीय पौधों के संरक्षण** के लिए पुरस्कार के लिए चुना गया है।
- **दिलीप कुमार सिंह** – इन्हें **गुलशन** के नाम से मशहूर **टमाटर की किस्म** के लिए चुना गया है।
- **सत्यदेव सिंह**– इन्हें ततुवा मसूर के संरक्षण के लिए चुना गया है।
- **अर्जुन सिंह**– इन्हें **लौकी** की किस्म **स्वेता** और **नटकी** किस्म धान के संरक्षण के लिए चुना गया है।
- भागलपुरी कतरनी धान उत्पादक संघ और बिहार के लीची उत्पादक संघ के अलावा पुरस्कार के लिए चुने गए सभी किसान बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर से जुड़े हैं।

पुरस्कार

- पौधों की किस्मों की सुरक्षा, किसानों और पौधा प्रजनकों के अधिकारों के लिए एक प्रभावी प्रणाली की स्थापना और पौधों की नई किस्मों के विकास को प्रोत्साहित करना।
- यह पुरस्कार भारत सरकार के **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** के अंतर्गत एक वैधानिक प्राधिकरण, **पौधा किस्म** और **किसान अधिकार संरक्षण** द्वारा दिया जाता है।
- पुरस्कार के लिए चयनित संघों को **दस-दस लाख रुपये** का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।
- **जबकि चयनित किसानों को एक-एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा।**
- **पुरस्कार 12 सितंबर को दिल्ली में प्रदान किया जाएगा।**

द पैरेलल

वर्तमान संदर्भः 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2021 में समानांतर (द पैरेलल) को **मैथिली भाषा** में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला।

प्रमुख बिंदु

- संविधान की अनुसूची VIII में निर्दिष्ट मैथिली भाषा में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म

क्र.	पुरस्कार की श्रेणी	फिल्म का शीर्षक	पुरस्कारी
1.	सर्वश्रेष्ठ मैथिली फिल्म	समानांतर (द पैरेलल)	**निर्माताः** अनिरति फिल्म्स **निर्देशकः** नीरज कुमार मिश्रा

राजेंद्र नगर टर्मिनल

वर्तमान संदर्भः राजेंद्र नगर टर्मिनल को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FASSAI) द्वारा **बिहार और पूर्व मध्य रेलवे में पहला ईट राइट** (Eat Right) प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- यह राजधानी पटना में एक रेलवे स्टेशन है।
- यह भारतीय रेलवे के **पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र** के **दानापुर रेलवे डिवीजन** के अंतर्गत आता है।
- भारत का पहला - मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन।

राष्ट्रीय जल पुरस्कार

वर्तमान संदर्भः राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2022 में, बिहार को **23 मई 2023** को **जल शक्ति मंत्रालय द्वारा सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में तीसरा स्थान** मिला।

प्रमुख बिंदु

- **पहला स्थानः** मध्य प्रदेश
- **दूसरा स्थानः** ओडिशा
- **तीसरा स्थानः** आंध्र प्रदेश और बिहार (संयुक्त विजेता)
- पहला राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2018 में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।

- राष्ट्रीय जल पुरस्कार जल संसाधन स्टार्ट-अप और अग्रणी संगठनों को नीति निर्माताओं से बात करने और नए एवं अच्छे जल संसाधन प्रबंधन पद्धतियों को सर्वोत्तम रूप से लागू करने के लिए विचारों के साथ आने का एक शानदार मौका देते हैं।

बिहार सात सबसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों पर काम कर रहा है:

1. **गरौल वीयर सिंचाई योजना, दरभंगा**
2. जैतपुरा पम्प नहर योजना, भभुआ
3. उदयपुरास्थान बैराज योजना, बिहारशरीफ
4. **बिहुल वीर सिंचाई योजना**, मधुबनी
5. **बलवाघाट बैराज-सह-सिंचाई योजना, मधुबनी**
6. गया जिले के बोधगया प्रखंड में **मोहना नदी** पर बटसपुर वीयर का निर्माण और मोरताल पाइन से प्राप्त वितरण प्रणालियों का आधुनिकीकरण जो अभी भी प्रगति पर है।
7. मलई बैराज योजना के तहत रोहतास जिले के दावत प्रखंड में **कोंड नदी** पर बैराज बनाकर लिंक नहर के माध्यम से बक्सर जिले में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सिमरिया धाम, बेगूसराय

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 30 मई, 2023 को **सिमरिया धाम** के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए आधारशिला रखी।

- यह **गंगा के तट पर मिथिला क्षेत्र के लिए महान आस्था का केंद्र है।**
- राज्य उत्सव का दर्जा प्राप्त प्रसिद्ध **कल्पवास मेला** हर साल यहां आयोजित किया जाता है।
- माना जाता है कि पटना से करीब 110 किलोमीटर दूर बेगूसराय जिले के सिमरिया में गंगा नदी के तट पर **राजा विदेह** के समय से ही एक महीने तक चलने वाले कल्पवास उत्सव की परंपरा चली आ रही है।
- मेला भारत, नेपाल और भूटान के विभिन्न हिस्सों से हजारों भक्तों को आकर्षित करता है।

भूगोल

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (RTV)

वर्तमान संदर्भः पश्चिम चंपारण जिले में स्थित बिहार के एकमात्र बाघ अभयारण्य, **वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (RTV)** को अवैध शिकार की चिंताओं के कारण आरक्षित वन क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी करने और बाघों, तेंदुओं और अन्य वन्यजीव प्रजातियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

प्रमुख बिंदु

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण** (NTCA) के निर्देश के बाद वाल्मीकि टाइगर रिजर्व ने खासकर नेपाल सीमा से लगे इलाकों में गश्त तेज कर दी है।
- यह बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में **गंडक नदी के तट पर** गंगा के मैदानी जैव-भौगोलिक क्षेत्र में भारत-नेपाल की सीमा पर स्थित है।
- यह हिमालय के तराई क्षेत्रों के जंगलों की सबसे पूर्वी सीमा का निर्माण करता है। यह बिहार में एकमात्र बाघ अभयारण्य है।
- **वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान और वाल्मीकि वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।**
- **सीमाएँ:** यह उत्तर में नेपाल के **रॉयल चितवन राष्ट्रीय उद्यान** और पश्चिमी में **गंडक नदी** से घिरा हुआ है।
- **नदियाँ:** गंडक, पंडई, मनोर, हरहा, मसान और भपसा नदियाँ इस रिजर्व के विभिन्न हिस्सों से होकर बहती हैं।
- इस क्षेत्र के वनों में भाबर और तराई इलाकों का मिश्रण पाया जाता है।

कमला बलान नदी

वर्तमान संदर्भः नेपाल से आने वाले बाढ़ के पानी से होने वाली तबाही को देखते हुए **कमला बलान नदी** के पश्चिमी तटबंध पर सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

- वर्तमान में **फेज-2** के तहत **296.89 करोड़** की लागत **से** फटकी कुट्टी से पुनांच और कमला बलान दाएं तटबंध **से थेंगा से पलावा तक** कुल 56.20 किलोमीटर लंबाई **में तटबंध के उन्नयन, सुदृढ़ीकरण और पक्काकरण का कार्य शुरू हो चुका है।**
- **कमला बलान नदी के बारे में: यह नदी** 27015 के उत्तरी अक्षांश और 85057' पूर्वी देशांतर पर 1200 मीटर की ऊंचाई पर **सिंधुलियागढ़ी के पास नेपाल की महाभारत पर्वत श्रृंखला** से निकलती **है।**
- इस नदी की कुल लंबाई **328 किमी है,** जिसमें से **208 किमी नेपाल में** और **शेष 120 किमी भारत में है।**

पटना चिड़ियाघर

वर्तमान संदर्भः संजय गांधी जैविक उद्यान, जिसे आमतौर पर पटना चिड़ियाघर के नाम से जाना जाता है, 22 जून, 2023 को 50 साल का हो गया।

प्रमुख बिंदु

- **22 जून 1973** को केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा इसे चिड़ियाघर के रूप में मान्यता दी गई थी ।
- पटना चिड़ियाघर की नींव **राजभवन परिसर में रखी गई थी.**
- पटना चिड़ियाघर की स्थापना 1969 में राजभवन से 34 एकड़ जमीन लेकर की गई थी।
- **पहले इसे वनस्पति उद्यान के रूप** में बनाया गया था।
- 1972 में राजस्व विभाग से 58.20 एकड़ तथा लोक निर्माण विभाग से 60.75 एकड़ भूमि प्राप्त हुई। इसके बाद 22 जून 1973 को इसे केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण से मान्यता मिल गई।
- **वर्ष 1979** में पहली बार गैंडे का एक जोड़ा असम से लाया गया था।
- **अक्टूबर 1980** में, पटना चिड़ियाघर का नाम बदलकर **'संजय गांधी जैविक उद्यान' कर दिया गया।**

राज्य स्तरीय वन महोत्सव-2023

वर्तमान संदर्भः हरित आवरण के विस्तार और पर्यावरण की रक्षा के लिए बिहार के मुख्यमंत्री ने 10 जुलाई, 2023 को राज्य स्तरीय वन महोत्सव - 2023 का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- तीन महीने तक चलने वाले इस उत्सव की शुरुआत **मुख्यमंत्री नीतीश कुमार** द्वारा राज्य की राजधानी में पौधारोपण के साथ किया गया।

- इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री ने **जल-जीवन-हरियाली मिशन (जेजेएचएम)** के बारे में भी चर्चा की।
- **वन महोत्सव का उद्देश्य**
  - ✓ बिहार के वन आवरण क्षेत्र को 17% तक करने के साथ-साथ सभी समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करना।
  - ✓ वन संरक्षण, अधिक पेड़ लगाने और इसके महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए एक इकाई के रूप में मिलकर काम करना।

एक जिला एक उत्पाद

वर्तमान संदर्भः उद्योग विभाग, बिहार सरकार ने हाल ही में **एक जिला एक उत्पाद पर एक रिपोर्ट** जारी की।

उत्पादों की सूची नीचे दी गई है

नाम	स्थान
भागलपुर	हैंड ब्लॉक प्रिंट, भागलपुरी सिल्क, मंजूषा पेंटिंग
बाँका	बाँका सिल्क
भोजपुर	एप्लीक, भोजपुर पेंटिंग
बक्सर	हाथ की कढ़ाई
दरभंगा	टेराकोटा, मधुबनी पेंटिंग
गया	पत्थर, लकड़ी
गोपालगंज	हथकरघा
जमुई	क्रोकेट के सामान
कैमूर	कालीन
कटिहार	जूट
खगड़िया	बाँस
किशनगंज	खेता कढ़ाई
मधेपुरा	बाँस
मधुबनी	मधुबनी पेंटिंग, सिक्की पेंटिंग, खादी
मुजफ्फरपुर	सुजनी, लाख चूड़ी
नालंदा	बवान बूटी
नवादा	हथकरघा
पटना	पीतल, टिकुली
पूर्णिया	बाँस
समस्तीपुर	बाँस
सीतामढ़ी	एप्लीक, सिक्की
सुपौल	लाख चूड़ी
वैशाली	सुजनी

अर्थशास्त्र

वेतन और भत्तों में वृद्धि

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में **मंत्रिमंडल** ने बिहार के मंत्रियों के वेतन भत्ता **पेंशन नियमों में संशोधन** को मंजूरी दी।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रियों के वेतन-भत्तों में **प्रति माह 30 से 35 हजार रुपये की वृद्धि** होगी, जो अब ढाई लाख के लगभग है।

बिहार में पावर ग्रिड सबस्टेशन का विस्तार

वर्तमान संदर्भ: विद्युत, **नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा मंत्री** ने 9 मई, 2023 को 220/132 किलोवाट पावर ग्रिड आरा सबस्टेशन के संवर्धन के लिए आधारशिला रखी।

प्रमुख बिंदु

- इस पहल से आरा में विकास की गति तेज होगी और एक मजबूत विद्युत अवसंरचना के माध्यम से क्षेत्र के **आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।**
- यह भोजपुर, बक्सर और रोहतास जिलों में विद्युत उपलब्धता को सुनिश्चित करेगा
- यह राष्ट्रीय ग्रिड के साथ आरा की कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगा।

पावरग्रिड

- यह भारत सरकार की एक **महारत्न पीएसयू** है।
- पावरग्रिड - **"विद्युत प्रसारण, जीवन के परिवर्तन"** के नारे के तहत विविध सामाजिक विकास पहलों के माध्यम से जीवन पर प्रभाव डालने में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्रा

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में, **पटना सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्रा का उपयोग करने वाला पहला नगर निगम** बन गया।

प्रमुख बिंदु

- बिहार के पटना नगर निगम के नगर आयुक्त, महापौर और उप महापौर ने **भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी डिजिटल मुद्रा ई-रुपी लॉन्च की।**
- यह भुगतान प्रणाली पूरी तरह से नगरपालिका मुख्यालय में स्वीकार की जाएगी।
- इसका उपयोग पटना नगर निगम के सभी जोनल और भुगतान काउंटरों **पर भी किया जाएगा।**
- **पटना नगर निगम (पीएमसी) की मेयर: सीता साहू**
- वर्तमान में, **बिहार में** 19 नगर निगम हैं।

केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (CBDC)

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने 1 दिसंबर, 2022 **को डिजिटल रुपया-रिटेल सेगमेंट (ई -आर) के लिए पहला पायलट प्रोजेक्ट लॉन्च किया।**
- सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) एक **केंद्रीय बैंक द्वारा जारी** मुद्रा नोटों का एक डिजिटल रूप है।
- यह **एक डिजिटल रूप में केंद्रीय बैंक द्वारा जारी** कानूनी निविदा है।

सुधा मिल्क

वर्तमान संदर्भ: बिहार राज्य दुग्ध सहकारी संघ लिमिटेड (COMFED) के तहत अपने दूध और डेयरी उत्पादों को उपलब्ध कराके अपनी पहुँच का विस्तार कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

- हाल ही में, हुई **102वीं बोर्ड बैठक** में यह बात सामने आई कि कॉम्फेड देश भर में दूध खरीद में अपनी स्थिति में सुधार करते हुए **नौवें से छठे स्थान पर आ गया है।**
- बोर्ड ने **नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड** में कॉम्फेड की सदस्यता को मंजूरी दे दी, जिससे इसके डेयरी उत्पादों के निर्यात की अनुमति मिल गई।
- कॉम्फेड ने उत्तर प्रदेश में दो डेयरी संयंत्रों को पट्टे पर लेने के लिए भी निविदा प्रक्रिया आयोजित की है।
- इसके अलावा **गोरखपुर** में एक लाख लीटर की क्षमता वाले दूध संग्रह संयंत्र लगाया जा रहा है। इस संयंत्र से **सुधा** के उत्पाद यूपी के सीमावर्ती इलाकों में भी भेजे जायेंगे।

रैंकिंग

कृषि श्रमिकों के मामले में बिहार देश में दूसरे स्थान पर

वर्तमान संदर्भः ईश्रम पोर्टल पर किए गए पंजीकरण के अनुसार, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के मामले में बिहार देश में **दूसरे** स्थान पर है।

प्रमुख बिंदु

- **उत्तर प्रदेश के बाद बिहार में सबसे अधिक लोग कृषि** या उससे जुड़े क्षेत्रों में काम करके अपनी आजीविका कमा रहे हैं।
- कृषि श्रमिक के रूप में पंजीकृत **भारत** के श्रमिकों की संख्याः अब तक **15 करोड़ 24 लाख 92 हजार 652** हो चुकी है।
- खेतिहर मजदूर के रूप में पंजीकृत **बिहार** के श्रमिकों की संख्याः अब तक **1 करोड़ 42 लाख 21 हजार 117** हो चुकी है।
- खेतिहर मजदूर के रूप में पंजीकृत **उत्तर प्रदेश** के श्रमिकों की संख्याः **4 करोड़ से अधिक** हो चुकी है।
- सभी क्षेत्रों में कार्यरत **बिहार** के श्रमिकों की संख्याः अब तक **2 करोड़ 87 लाख 47 हजार 82** हो चुकी है।

बिहार हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर

वर्तमान संदर्भः बिहार अर्थव्यवस्था सर्वेक्षण 2022-23 के आंकड़ों के अनुसार बिहार में प्रति एक लाख जनसंख्या पर केवल **7 डॉक्टर** हैं।

- बिहार के **अरवल जिले** में प्रति एक लाख की आबादी पर सबसे ज्यादा **17 डॉक्टर** उपलब्ध हैं।
- बिहार के **किशनगंज जिले** में प्रति एक लाख की आबादी पर सबसे कम **4 डॉक्टर** उपलब्ध हैं।
- पटना और गया में प्रति एक लाख जनसंख्या पर केवल **10 डॉक्टर** हैं।
- राज्य में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर केवल **119 जन स्वास्थ्य केंद्र** हैं।
- बिहार सरकार ने 611 प्रकार के नशा मुक्त साबित किया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के स्वास्थ्य के पैरामीटर

- **WHO** ने प्रति **10 हजार की आबादी पर 10 डॉक्टरों की सिफारिश** की है।
- किसके अनुसार भारत में प्रति **10 हजार जनसंख्या** पर केवल **7.27 डॉक्टर** हैं।
- **दुनिया में क्यूबा में उच्चतम डॉक्टर-रोगी अनुपात 35 प्रति 10 हजार जनसंख्या** है।
- अमेरिका में 35 और चीन में 33 डॉक्टर प्रति 10 हजार जनसंख्या पर हैं।

बिहार के महिला स्वास्थ्य संकेतक

वर्तमान संदर्भः हाल ही में स्वस्थ गर्भावस्था और मातृत्व को बढ़ावा देने के लिए **11 अप्रैल** को **सुरक्षित मातृत्व दिवस** मनाया गया।

प्रमुख बिंदु

- बिहार में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) - 2018-20 में **118 प्रति लाख जीवित जन्म।**
- मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) **2014-16** में **165** और **2017-19 में 130** था।
- यह मौतों में लगभग **25%** की औसत कमी दर्शाता है।
- एमएमआर राष्ट्रीय सूचकांक में बिहार का स्थान - नमूना पंजीकरण प्रणाली **2018-20 के अनुसार 15वां** है।

मातृ मृत्यु दर अनुपात (एमएमआर)

साल	भारत	बिहार
2014-16	130	165
2015-17	122	165
2016-18	113	149
2018-20	97	118

अंचल और एडीएम अधिकारियों की रैंकिंग

वर्तमान संदर्भः राजस्व और **भूमि सुधार विभाग** ने **भूमि उत्परिवर्तन और अन्य कार्यों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले आंचलों की रैंकिंग** जारी की है।

प्रमुख बिंदु

- बांका की **अमरपुर अंचल इस रैंकिंग में पहले स्थान** पर रही।
- मुजफ्फरपुर की **पारू सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली आंचलों चल में से एक** थीं। इसने 534वीं रैंक हासिल की है।
- यह रैंकिंग मार्च में किए गए काम के आधार पर की गई है।
- विभाग द्वारा प्रत्येक माह कार्य और रैंकिंग के आधार पर डीसीएलआर और राजस्व एडीएम के कार्यों की समीक्षा की जाती है।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अंचल

- **बांका की अमरपुर (100 में से 96.65 अंक)।**
- बांका की बेलहर अंचल (97.09 अंक)।
- पूर्णिया की श्रीनगर अंचल तीसरे स्थान पर रही।
- बांका की फुलीडुमर अंचल चौथी रैंक पर हैं।
- बांका की रजौन अंचल, पांचवीं रैंक।

खराब प्रदर्शन

- मुजफ्फरपुर की पारू अंचल (44.93 अंक)
- **पटना की पुनपुन (45.87 अंक),**
- मधुबनी की अंधराठाड़ी (48.24 अंक),
- सिवान की सिसवन (49.36 अंक),
- मधुबनी की बासोपट्टी अंचल (50.23 अंक) हैं।

एडीएम की रैंकिंग

- अच्छा प्रदर्शन करने वाले अंचल अधिकारियों को बेहतर पोस्टिंग दी जाएगी।
- **एडीएम की रैंकिंग में बांका 94.48 अंक के साथ पहले और सहरसा (55.84 अंक) अंतिम 38वें स्थान पर रहे।**
- **पहले पांच शीर्ष जिलों में पूर्णिया, पूर्वी चंपारण, कटिहार, मधेपुरा भी शामिल हैं।**
- सहरसा, सिवान, लखीसराय, रोहतास और पटना पांच पिछड़े जिलों में शामिल हैं।
- पटना के एडीएम को कुल 66.44 अंक ही मिले हैं।

बिहार उद्योग रैंकिंग

वर्तमान संदर्भः हाल ही में, **बिहार उद्योग विभाग** ने कार्य प्रदर्शन और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के आधार पर **जिलेवार रैंकिंग जारी की।**

प्रमुख बिंदु

- बिहार उद्योग विभाग की रैंकिंग में **गोपालगंज 55 अंकों के साथ पहले स्थान पर और शिवहर 54 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।**
- **सीतामढी को 52 अंक तथा समस्तीपुर एवं बांका को 49-49 अंक प्राप्त हुए।**
- **बेगुसराय जिले का प्रदर्शन सबसे खराब रहा और उसे 24 अंक मिले।** सुपौल और गया को **29-29 अंक, पटना** को **30 अंक और अरवल को** 31 अंक मिले।
- विभाग ने **पांच योजनाओं** के आधार पर जिलों के **प्रदर्शन की समीक्षा की।** निम्नलिखित के क्रियान्वयन में जिलों द्वारा किये गये प्रयासों के आधार पर अंक दिये गये हैंः

1. प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी योजना।
2. प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना।
3. मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना (एमएमयूवाई)।
4. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) योजना।
5. स्टार्टअप पहल।

खेल

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल राष्ट्रीय खेल 2023-24

वर्तमान संदर्भ: बिहार के **नालंदा** जिले में 14 जुलाई, 2023 को चार दिवसीय समूह स्तरीय अखिल भारतीय सैनिक स्कूल राष्ट्रीय खेल 2023-24 का समापन हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- इसका समापन समारोह का आयोजन नवनिर्मित **श्री शीऊ मेवालाल खेल परिसर में किया गया।**
- इस कार्यक्रम में बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के सैनिक स्कूलों की 42 लड़कियों सहित कुल 244 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- पीपीपी मोड के तहत नए खुले सैनिक स्कूलों, **समस्तीपुर की सुंदरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर और पटना की केशव विद्या मंदिर के कैडेटों** ने भी समूह स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया।
- इसका उद्घाटन **11 जुलाई, 2023 को नालंदा के डीएम** शशांक शुभांकर ने किया था।

रैंकिंग

श्रेणी	सैनिक स्कूल का नाम
1st	सैनिक स्कूल नालंदा
2nd	सैनिक स्कूल तिलैया
3rd	सैनिक स्कूल गोपालगंज

बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में, **पटना नगर निगम** (पीएमसी) आर-ब्लॉक गोलंबर क्षेत्र के पास फ्लाईओवर के नीचे विशेष बैडमिंटन और बास्केटबॉल कोर्ट विकसित कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

- यह शहर भर में फ्लाईओवर के नीचे खेल और हरित क्षेत्र को बढ़ावा देगा।
- अगले चरण में **राजा बाजार फ्लाईओवर** के नीचे की जगह को कवर किया जाएगा।
- हरी घास उगाने के लिए क्षेत्र को मिट्टी से भरा जा रहा है। खेल मैदान क्षेत्र को दोनों तरफ से लोहे की ग्रिल से घेरा जाएगा।
- ऐसे विकास के लिए फ्लाईओवर के नीचे विभिन्न स्थानों पर कुल मिलाकर 8 जगहों की पहचान की गई है।
- इसके लिए हैदराबाद और बेंगलुरु से विशेष पौधे लाए गए हैं।
- इसका कुल बजट 15 करोड़ है।

बुनियादी ढाँचा विकास कार्यक्रम

भारत का सबसे बड़ा परीक्षा परिसर

वर्तमान संदर्भ: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में लगभग **25000 की क्षमता वाले देश के सबसे बड़े परीक्षा परिसर** का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इसे **'बापू परीक्षा परिसर'** (Bapu Examination Complex) के नाम से भी जाना जाता है।
- इसका उद्घाटन राज्य की राजधानी के **कुम्हरार** इलाके के पास किया गया।
- इस पांच मंजिला परीक्षा केंद्र में **ऑनलाइन** और **ऑफलाइन** दोनों मोड में परीक्षा आयोजित की जाएगी।
- इस बिल्डिंग की **कुल लागत करीब 261 करोड़ रुपये** है।
- उन्होंने **बिहार स्कूल परीक्षा बोर्ड (BSEB)** के मेधावी छात्रों के लिए मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की प्रवेश परीक्षाओं के लिए पटना डिवीजन में मुफ्त आवासीय कोचिंग और अन्य आठ डिवीजनों में मुफ्त गैर-आवासीय कोचिंग की सुविधा का भी शुभारंभ किया।

बिहार की दूसरी इथेनॉल इकाई

वर्तमान संदर्भ: बिहार के मुख्यमंत्री ने मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में बिहार के **दूसरे इथेनॉल संयंत्र** का उद्घाटन किया।

- संयंत्र में मक्का से प्रति दिन 110 किलोलीटर इथेनॉल का उत्पादन करने की क्षमता है।
- इस परियोजना पर **कुल खर्च 152 करोड़ रुपए** है।
- संयंत्र से कम से कम 700 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।
- भारत का **पहला इथेनॉल संयंत्र** पिछले साल **मई में पूर्णिया में** स्थापित किया गया।
- **बिहार में कुल मिलाकर 17 इथेनॉल उत्पादक इकाइयों** को मंजूरी दी गई है, जिसमें पूर्णिया में 65,000 लीटर प्रति दिन की क्षमता वाली एक इकाई भी शामिल है।
- जैव ईंधन की राष्ट्रीय नीति, 2018 के तहत बिहार **मार्च 2021 में इथेनॉल प्रोत्साहन नीति** शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

बिहार में दूसरा एम्स

वर्तमान संदर्भ: बिहार में **दूसरे एम्स का निर्माण दरभंगा** के शोभन में किया जाएगा।

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मंजूरी के बाद स्वास्थ्य विभाग ने **दरभंगा के बहादुरपुर** ब्लॉक के **शोभन बाईपास** पर एम्स के लिए **150 एकड़ जमीन** देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

फोर लेन हाईवे

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में, महरौना घाट (उत्तर प्रदेश) से गोपालगंज फोर लेन हाईवे को कैबिनेट ने मंजूरी दी थी।

प्रमुख बिंदु

- **महरौना घाट से गोपालगंज** तक सड़क मार्च 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगी।
- केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 1661.25 करोड़ रुपये की मौद्रिक स्वीकृति दी है, **यह मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा।**
- यह भगवान राम अयोध्या के जन्मस्थान को देवी सीता के जनकपुर जन्मस्थान से जोड़ता है।
- यह राष्ट्रीय राजमार्ग **227-ए** पर बना है। जो **गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल असम** और **नेपाल** को भी जोड़ता है।
- अयोध्या से जनकपुर तक कुल सड़क की लंबाई **448 किमी.** है, जिसमें से **436 किमी. सड़क भारत** में और शेष **12 किमी. नेपाल** में बनाई जाएगी।
- **रामजानकी मार्ग करीब 240 किमी** है इस परियोजना के तहत इसे विकसित किया जाएगा।

मोकामा -मुंगेर ग्रीनफील्ड फोर-लेन परियोजना

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में **73 किमी लंबे मोकामा - मुंगेर** ग्रीनफील्ड फोर-लेन राजमार्ग परियोजना को मंजूरी दी गई हैं।

प्रमुख बिंदु

- यह सड़क बिहार के **बक्सर, पटना और भागलपुर से होते हुए झारखंड के** मिर्ज़ापुर चौक तक जाएगी।
- इसे **भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (National Highway Authority of India) द्वारा बनाया जा रहा है।**
- यह सड़क **असम, पश्चिम बंगाल के अलावा भारत** के अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को भी जोड़ेगी।

नेपाल और भारत के बीच सीमा पार रेलवे संपर्क हुआ शुरू

वर्तमान संदर्भः हाल ही में, भारत और नेपाल के बीच सीमा पार रेलवे संपर्क, **जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास का कुर्था-बिजलपुरा रेल खंड** शुरू हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मंत्री **प्रकाश ज्वाला** ने बिजलपुरा में आयोजित एक समारोह के दौरान इस रेलखंड पर रेल परिचालन की शुरुआत की।
- कुर्था-बिजलपुरा लाइन की कुल लंबाई 17.3 किमी है तथा इसमें कुर्था, पिपरादी, लोहारपट्टी, सिंगयाही और बिजलपुरा नामक 5 स्टेशन शामिल हैं।
- यह जयनगर-बिजलपुरा-बरदीबास क्रॉस-बॉर्डर रेल लाइन परियोजना का दूसरा चरण है, जिसका निर्माण भारत सरकार द्वारा अनुदान सहायता के तहत 783.83 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत पर किया जा रहा है।
- इसके पहले **चरण का** उद्‌घाटन अप्रैल, 2022 में किया गया था।
- इसके **तीसरे चरण** के लिए भूमि अधिग्रहण का काम चल रहा है।

बिहार में शाम्हो-मटिहानी पुल का निर्माण

वर्तमान संदर्भः बिहार के बेगुसराय में शाम्हो-मटिहानी पुल के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

प्रमुख बिंदु

- वर्तमान वित्तीय वर्ष में इसका निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा।
- इस परियोजना की अनुमानित लागत **तीन हजार करोड़** रुपये है।
- इस पुल के निर्माण से उत्तर बिहार से पश्चिम बंगाल, झारखंड और उड़ीसा की दूरी **75-90 किमी** कम हो जायेगी।

पर्यटन

बिहार के 30 ऐतिहासिक धरोहर स्थल

वर्तमान संदर्भः बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनआईटी के सहयोग से आपदा के समय **30 विरासत स्थलों की सुरक्षा के उपाय** करेगा।

प्रमुख बिंदु

- पहले चरण में **दस धरोहर स्थलों के संरक्षण** के उपाय किए जाएंगे।
- अगले **तीन साल में सभी धरोहर स्थलों को सुरक्षित करने का** काम पूरा कर लिया जाएगा।
- ऐतिहासिक धरोहरों को बाढ़, बिजली गिरने और आग से बचाने के लिए सभी उपाय किए जाएंगे।
- भूकंप से बचाव के लिए **रेट्रोफिटिंग** जैसे काम भी किए जाएंगे।
- प्रत्येक धरोहर स्थल के लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है।
- एनआईटी (NIT) के स्तर पर भी टीम का गठन किया गया है।

निम्नलिखित ऐतिहासिक विरासत स्थलों को संरक्षित किया जाएगा

1. बाबू वीर कुंवर सिंह जन्मस्थान, जगदीशपुर, भोजपुर
2. आरा हाउस महाराजा कॉलेज कम्पाउंड आरा, भोजपुर
3. दाउद खान का किला दाउदनगर, औरंगाबाद
4. **पुरातत्व स्थल, खीरी, शाहकुंड,**
5. महमूदशाह का भागलपुर मकबरा, कहलगांव, भागलपुर
6. बौसागढ़ (नसरतपुर), बक्सर
7. रामशिला हिल, गया
8. प्रेतशिला हिल, गया
9. **विष्णुपद मंदिर, गया**
10. **ब्रह्मयोनी हिल, गया**
11. **ताराडीह , बोधगया, गया**
12. जामा मस्जिद (पत्थर मस्जिद), हाजीपुर
13. गिरा बिगहा, जहानाबाद
14. गढ़ी, कैमूर
15. कटरागढ़, मुजफ्फरपुर
16. बेगूजम मस्जिद, पटना सिटी
17. जैन मंदिर, कमलदह, गुलजारबाग, पटना
18. दोरुखी प्रतिमा कुम्हरार, पटना
19. छोटी पाटनदेवी, पटना सिटी
20. जलालगढ़ किला, करबा, पटना
21. सूर्य मंदिर, महिषी, सहरसा
22. चिरांद, सारण
23. शेरगढ़ किला, सासाराम
24. अलाबल खान की मस्जिद, सासाराम
25. नेपाली मंदिर, हाजीपुर, वैशाली
26. **निशान सिंह शहीद स्मारक, पश्चिम चंपारण**
27. **हाजीमल धर्मशाला, बेतिया, पश्चिम चंपारण**
28. मुंगेर किला, मुंगेर
29. गोलघर, पटना
30. अगमकुआं, पटना सिटी

- **नालंदा में नालंदा महाविहार के पुरातात्विक स्थल,** को 2016 **में यूनेस्को** में सूचीबद्ध किया गया था।
- **महाबोधि मंदिर** को 2002 में **यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल** घोषित किया गया था।

वैशाली में निर्मित पत्थर का बुद्ध स्तूप

वर्तमान संदर्भः आधुनिक भारत में, पहली बार बिहार के **वैशाली** में भगवान बुद्ध से जुड़े **पत्थर का स्तूप** बनाया जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- इस निर्माण में सीमेंट और लोहे का उपयोग नहीं किया जा रहा है।
- वास्तुविदों का दावा है कि गुंबदनुमा संरचना वाला यह स्तूप अगले एक हजार साल तक सुरक्षित रहेगा।
- इस स्तूप का अंदरूनी व्यास **42 मीटर** है और इसकी ऊंचाई **44 मीटर** होगी।
- इसकी अनुमानित निर्माण लागतः **314 करोड़**
- इसका निर्माण बिहार सरकार के **भवन निर्माण विभाग** द्वारा कराया जा रहा है।
- निर्माण कार्य **दिसंबर, 2019** में शुरू किया गया था।
- स्तूप का निर्माण राजस्थान के भरतपुर जिले के बंसी पहाड़पुर से प्राप्त पत्थरों से किया जा रहा है।
- वैशाली में खुदाई के दौरान मिले बुद्ध स्तूप के अवशेषों को पटना संग्रहालय में संरक्षित किया गया है।

- वैशाली में नये स्तूप के निर्माण के बाद इसे पटना से वैशाली भेजा जायेगा, ताकि वहां आने वाले पर्यटक इसे देख सकें।

बुद्ध अवशेष स्तूप

- महापरिनिर्वाण प्राप्त करने के बाद भगवान बुद्ध के नश्वर अवशेषों के आठ भागों में से एक को स्थापित करने वाला बुद्ध अवशेष स्तूप, बौद्धों के लिए सबसे प्रतिष्ठित स्थलों में से एक है और **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण** (एएसआई) के लिए संरक्षित है।
- इसका निर्माण 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व में लिच्छवियों द्वारा मिट्टी के स्तूप के रूप में किया गया था।
- इस स्तूप को वर्ष 1958-1962 के दौरान पटना स्थित **के. पी. जयसवाल अनुसंधान संस्थान** के तत्वावधान में किए गए पुरातात्विक उत्खनन में खोजा गया था।

बिहार के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल

वर्तमान संदर्भ: हाल ही में माननीय उपमुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने बिहार के महत्वपूर्ण **रोपवे की ऑनलाइन-टिकट बुकिंग** की घोषणा की है।

- पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग कई नई सुविधाएं शुरू करने जा रहा है।
- अब **राजगीर** और **मंदार** रोपवे और बेतिया के **अमवांमन झील** की बुकिंग ऑनलाइन होगी।
- इसके साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए **रील मेकिंग प्रतियोगिता** का आयोजन किया जाएगा।
- उपमुख्यमंत्री ने पटना में पहली बार **यात्रा एवं पर्यटन मेले** का भी आयोजन किया।

मंदार पर्वत

- इसे **मंदार हिल** के नाम से भी जाना जाता है, यह बिहार राज्य के **भागलपुर प्रमण्डल के अंतर्गत बांका जिले** के **बौंसी** में स्थित एक छोटा पर्वत है।
- यह लगभग **700 फीट ऊंचा** है।

अमवामन झील

- यह बिहार के **पश्चिमी चंपारण जिले के बेतिया** में स्थित एक प्राकृतिक जलाशय था।
- राज्य सरकार ने अमवामन झील में जल क्रीड़ा गतिविधियाँ और साहसिक सवारी शुरू कीं।
- **बिहार राज्य पर्यटन एवं विकास निगम** (BSTDC) ने इस परियोजना को कार्यान्वित किया।

विविध

मेगा स्किल सेंटर

वर्तमान संदर्भः बिहार सरकार ने वैश्विक बाजार की माँग के अनुसार युवाओं के कौशल को निखारने के उद्देश्य से सभी 38 जिलों में **मेगा कौशल केंद्र** (MSCs) स्थापित करने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- **मेगा कौशल केंद्रों** में नामांकित छात्रों को छोटे पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे अपने कौशल के आधार पर नौकरी पाने में सक्षम हो सकें।
- हाल ही में, **श्रम संसाधन विभाग** ने देश और विदेश में अत्यधिक माँग वाली 23 नए ट्रेडों में 15,000 छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए **टाटा टेक्नोलॉजीज** के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया हैं।
- इस परियोजना पर 2,186 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे।
- इसमें टाटा टेक्नोलॉजी कुल राशि का 88% निवेश करेगी, और शेष 12% राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

पीएमसीएच (PMCH) में रीढ़ की हड्डी की सर्जरी

वर्तमान संदर्भः 24 अगस्त 2023 को **पीएमसीएच के ऑर्थोपेडिक विभाग में** दो बेहद जटिल सर्जरी की गयीं।

प्रमुख बिंदु

- दोनों सर्जरी रीढ़ की हड्डी के **D8 और D9** के बीच टीबी से पीड़ित मरीजों पर की गईं।
- यह सर्जरी स्पाइन सर्जन **डॉ. महेश प्रसाद** और उनके डॉक्टरों की टीम ने की।
- समस्तीपुर के हरकिशन यादव सर्वाइकल हड्डी में चोट के कारण अपनी गर्दन हिलाने में असमर्थ थे।
- पूर्वी चंपारण निवासी रामजीवन साह का भी इलाज किया गया।

पीएम की कलाई पर बांधी दरभंगा में बनी राखी

वर्तमान संदर्भः पीएम मोदी की कलाई पर **दरभंगा की राधा** द्वारा बनाई गई इको-फ्रेंडली राखी बांधी गई।

प्रमुख बिंदु

- वह दरभंगा जिले के मनीगाछी प्रखंड के मकरंदा गांव की रहने वाली हैं।
- राधा पिछले 8 वर्षों से दरभंगा खादी भंडार में काम कर रही हैं।
- यह पूरी तरह से पर्यावरण-अनुकूल सामग्री से बनी है।
- राखी घास से बनाई जाती है, और इसे बांधने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डोरी खादी धागे से बनाई जाती है।
- जब इस राखी को फेंक दिया जाएगा, तो इसमें से पौधे उग आएंगे, जिससे यह वास्तव में प्यार का टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल प्रतीक बन जाएगा।

पटना में जी-20 की बैठक

वर्तमान संदर्भः पटना में **जी 20 की बैठक, श्रम ट्रैकिंग की थीम** पर आयोजित की जानी है।

प्रमुख बिंदु

- पटना में जी-20 की बैठक जो पहले मार्च की शुरुआत में होने वाली थी, अब जून में आयोजित करने की योजना बनाई गई है।
- भारत ने एक **दिसंबर से जी-20 की अध्यक्षता संभाली थी।**
- देश भर में 55 स्थानों पर 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करने की योजना है।
- **बिहार कला और संस्कृति** विभाग को जी 20 आयोजन के लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है।

बिहार दिवस

वर्तमान संदर्भः इस वर्ष बिहार का **111वां** विशेष स्थापना दिवस समारोह मनाया जाएगा, यह तीन दिवसीय समारोह होगा, 22 से 24 मार्च 2023 तक चलेगा।

प्रमुख बिंदु

- बिहार उत्सव विभिन्न जिलों में आयोजित किया जाएगा। राज्य भर के 70,000 से अधिक सरकारी और निजी स्कूलों में **प्रभात फेरी** का आयोजन किया जाएगा।
- **थीम - "युवा शक्ति - बिहार की प्रगति"**।
- इस अवसर पर तीन विजेता बच्चों को ज्योति कुमारी (दरभंगा), धीरज कुमार (चंपारण) और पाल साक्षी (छपरा) को **"राष्ट्रीय बाल पुरस्कार"** से सम्मानित किया जाएगा।
- पद्मश्री पुरस्कार विजेता-**सुभद्रा देवी (मधुबनी), कपिल देव प्रसाद (नालंदा)** और **आनंद कुमार (पटना)** को भी सम्मानित किया जाएगा।
- बिहार दिवस समारोह **2009** में शुरू किया गया था।
- बिहार 22 मार्च 1912 को बंगाल प्रेसीडेंसी से एक अलग प्रांत के रूप में अस्तित्व में आया, क्योंकि 22 मार्च को हर साल बिहार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारत के महावाणिज्य दूतावास में बिहार दिवस के अवसर पर न्यूयॉर्क में आयोजित एक कार्यक्रम

- इसका आयोजन **बिहार फाउंडेशन ऑफ़ USA** के द्वारा (स्थान- ईस्ट कोस्ट) में हुआ जिसके चैयरमेन अलोक कुमार है।
- बिहार के डा. बिन्देश्वर पाठक, अजय सिंह, ललित झा को बिहार **विश्व गौरव**" पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

YUVIKA

वर्तमान संदर्भः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के **युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम 2023** के लिए बिहार के **45 छात्रों** का चयन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले इन छात्रों को **अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर बुनियादी ज्ञान** के लिए इसरो द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम **15 से 26 मई** तक चलेगा।
- प्रशिक्षण के लिए छात्रों को देश भर में इसरो के अलग-अलग **सात केंद्रों** में भेजा जाएगा, जहां छात्रों को **15 दिनों** तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- इसमें देशभर से **350 छात्रों** का चयन किया गया है।
- आईआईआरएस देहरादून, वीएसएससी तिरुवनंतपुरम, एसडीएससी श्रीहरिकोटा, अहमदाबाद, एनआरएससी हैदराबाद, एनई-सैक शिलांग, यूआरएससी बेंगलुरु, एसएसी में प्रशिक्षण दिया जाएगा ।

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

वर्तमान संदर्भः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 10 जून, 2023 को बिहार के **रोहतास जिले के जमुहार में गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय** के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

प्रमुख बिंदु

- गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय बिहार **के सर्वश्रेष्ठ निजी विश्वविद्यालयों में से एक** है।
- यह **सासाराम और डेहरी-ऑन-सोन के बीच ओल्ड जीटी रोड पर 8 किमी की समान दूरी पर स्थित है।**

बिहार सरकार ने प्रमुख प्रस्तावों को मंजूरी दी

वर्तमान संदर्भः हाल ही में, बिहार सरकार ने **बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कुछ प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों को मंजूरी दी है।**

प्रमुख बिंदु

- बिहार सरकार ने कैबिनेट बैठक में **दक्षिण और उत्तर बिहार में कुल 61 सड़कों के निर्माण के लिए 234 करोड़ 30 लाख** रुपये की मंजूरी दी।
- **सीएम ने दरभंगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (डीएमसीएच) को 2500 बेड बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।**
- **दरभंगा और छपरा** में स्टॉर्म ड्रेनेज सिस्टम बनाने का काम किया जाएगा।

सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय

वर्तमान संदर्भः हाल ही में, बिहार के शिक्षा विभाग ने जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए **मुफ्त लड़कों के छात्रावास उपलब्ध** कराने के लिए सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय खोलने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- यह अनाथ बच्चों के अलावा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करेगा।
- इस छात्रावास को **कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय की तर्ज पर** तैयार किया जाएगा।
- पटना, मुजफ्फरपुर, जमुई, नवादा, गया, बांका और औरंगाबाद में निःशुल्क बालक छात्रावास तैयार किये जायेंगे।
- इस छात्रावास में 6 वर्ष से 18 वर्ष के बच्चों को रहने की सुविधा मिलेगी।

बिहार उत्सव 2023

वर्तमान संदर्भः बिहार उत्सव 2023 का आयोजन 16 मार्च से 30 मार्च के बीच **दिल्ली हाटआईएनए** में किया गया था।

प्रमुख बिंदु

- यह बिहार सरकार के **उद्योग विभाग** द्वारा आयोजित किया गया था।
- बिहार दिवस (**22 मार्च**)के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य बिहार की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत और उत्तम हथकरघा बुनकरों की जीवित कला और शिल्प परंपराओं की झलक दिखाना है।
- मधुबनी (**सुभद्रा देवी**) पेंटिंग **और बावन बूटी हस्तशिल्प** (पद्मश्री से सम्मानित कलाकार **कपिल देव प्रसाद** द्वारा निर्मित) कला बिहार उत्सव में आकर्षण का केंद्र रहा था।
- **यह बिहार हस्तशिल्प उद्योग जैसे भागलपुर रेशम, मिथिला पेंटिंग, सिक्का निर्मित सामग्री आदि को बढ़ावा देने में मदद करेगा।**

बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट (STPP)

वर्तमान संदर्भः राज्य के स्वामित्व वाली एनटीपीसी लिमिटेड ने घोषणा की है कि बिहार में उसके **बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट** की दूसरी इकाई 6 जुलाई, 2023 को चालू हो गई है।

प्रमुख बिंदु

- बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की **दूसरी इकाई** की क्षमता **660 मेगावाट (WM)** है।
- बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के पहले चरण (3 x 660 मेगावाट) की 660 मेगावाट क्षमता की यूनिट-2 ने 30 जून को **केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग** (Central Electricity Regulatory Commission) के मानदंडों के अनुसार सफलतापूर्वक परीक्षण संचालन पूरा कर लिया है।
- ***660 मेगावाट की पर्यावरण अनुकूल सुपरक्रिटिकल तकनीक*** **पर आधारित** बाढ़ बिजली संयंत्र की यह चौथी इकाई है, जिसने बिजली उत्पादन शुरू कर दिया है।
- इस इकाई से उत्पादित बिजली का **58% (383 मेगावाट)** बिहार को मिलेगा, जबकि शेष झारखंड, ओडिशा और सिक्किम सहित अन्य लाभार्थी राज्यों के बीच साझा किया जाएगा।
- बाढ़ संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता अब मौजूदा **1,980 मेगावाट से बढ़कर 2,640 मेगावाट हो गई** है, जबकि इसकी लक्षित स्थापित क्षमता (5 x 660 मेगावाट) 3,300 मेगावाट है।
- बाढ़ एसटीपीपी के दूसरे चरण की दो 660 मेगावाट इकाइयां (IV और V) क्रमशः 15 नवंबर, 2014 और 18 फरवरी, 2016 से बिजली का उत्पादन कर रही हैं।
- **पहले चरण** की पहली 660 मेगावाट इकाई नवंबर, 2021 के पहले से ही बिजली का उत्पादन कर रही है।

बिहार के सात युवाओं की शहादत की 81वीं वर्षगाँठ

वर्तमान संदर्भः 11 अगस्त, 2023 को बिहार सरकार ने बिहार के सात युवाओं की शहादत की 81वीं वर्षगांठ मनाई है।

सात शहीदों के बारे में : यह घटना **भारत छोड़ो आंदोलन** के दौरान 11 अगस्त की है। उन सात अमर शहीदों का विवरण इस प्रकार हैः-

1. **देवीपद चौधरी**- वे पटना के मिलर हाई इंग्लिश स्कूल (1919 में स्थापित) के छात्र थे।
2. **उमाकांत प्रसाद सिन्हा**- वे सारण के नरेन्द्रपुर के राम मोहन राय सेमिनरी के कक्षा 9 के छात्र थे।
3. **रामानंद सिंह**- वे पटना के सहादत नगर के राम मोहन राय सेमिनरी के कक्षा 9 के छात्र थे।
4. **सतीश प्रसाद झा**- वे भागलपुर के खड़हरा के पटना कॉलेजिएट स्कूल के दसवीं कक्षा के छात्र थे।
5. **जगतपति कुमार**- वे औरंगाबाद के खराटी के बिहार नेशनल कॉलेज के द्वितीय वर्ष के छात्र थे।
6. **राजेंद्र प्रसाद सिंह** - वे पटना हाई स्कूल (1919 में स्थापित) के मैट्रिक के छात्र थे।
7. **रामगोविंद सिंह**- वे पटना के दशरथ पुनपुन हाई इंग्लिश स्कूल के कक्षा 9 के छात्र थे।

बापू टावर, गर्दनीबाग, पटना

वर्तमान संदर्भः भवन निर्माण विभाग (बीसीडी) द्वारा शहर के **गर्दनीबाग इलाके में** बनाये जा रहे बापू टावर को 2 अक्टूबर तक अंतिम रूप मिलने की संभावना है।

प्रमुख बिंदु

- इसका शिलान्यास 5 साल पहले **2 अक्टूबर 2018 को** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था।
- इसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन से जुड़े सभी पहलुओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23

27 फरवरी, 2023 को बिहार के वित्त **मंत्री विजय कुमार चौधरी** ने बिहार विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन राज्य का **17वीं आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 पेश किया।** इस आर्थिक सर्वेक्षण को कुल **14 अध्यायों में** बांट कर पेश किया गया है।

अध्याय - 1 बिहार की अर्थव्यवस्था: एक अवलोकन

- वित्तीय वर्ष 2021-22 में बिहार का सकल राज्य घेरलू उत्पाद (GSDP) स्थिर मूल्य पर कितना **प्रतिशत बढ़ा- 10.98%**
- देश के सभी राज्यों के बीच बिहार की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर **आंध्र प्रदेश और राजस्थान के बाद सबसे ऊँची थी।**

वर्ष 2021-22 में	वर्तमान मूल्य पर	2011-12 के स्थिर मूल्य पर
बिहार का GSDP (सकल राज्य घरेलू उत्पाद)	675.45 हजार करोड़	428.06 हजार करोड़ (10.98% की वृद्धि)
बिहार का NSDP (सकल राज्य घरेलू उत्पाद)	614.43 हजार करोड़	382.27 हजार करोड़
प्रति व्यक्ति GSDP	54,383 रुपया	34,465 रुपया
प्रति व्यक्ति NSDP	49,470 रुपया	30,799 रुपया

- वर्ष 2021-22 में बिहार का प्रति व्यक्ति निवल राज्य घरेलू उत्पाद राष्ट्रीय औसत का **33.7%** हो गया।
- राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के अनुसार मार्च 2022 में बिहार के **अनुमानित जनसंख्या 12.49 करोड़** हो गई। वित्तीय वर्ष 2023-22 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद में विभिन्न क्षेत्र का हिस्सा एवं वृद्धि दर-

विभिन्न क्षेत्र	हिस्सा	हिस्सा
प्राथमिक क्षेत्र का	21.2%	9.6%
द्वितीयक क्षेत्र का	18.1%	3.8%
तृतीयक क्षेत्र का	60.7%	13.3%

- बिहार में प्राथमिक और तृतीय क्षेत्रों की वृद्धि दरे सम्पूर्ण भारत के अपेक्षा ऊँची रही, जबकि द्वितीयक क्षेत्र की दरें नीचे रही है।
- वर्ष 2020-21 में सबसे **ज्यादा प्रति व्यक्ति GSDP वाला जिला - पटना (1.15 लाख रुपया / व्यक्ति)**
- वर्ष 2020-21 में **सबसे कम प्रति व्यक्ति GSDP वाला जिला शिवहर-** (18,692 रुपया / व्यक्ति)
- पटना जिले का प्रति व्यक्ति GSDP सकल जिला घरेलू उत्पाद शिवहर के प्रति व्यक्ति GSDP के तुलना में लगभग कितना गुना है- 7 गुना

सूची	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान
प्रतिव्यक्ति आय सर्वाधिक	पटना	बेगूसराय
प्रतिव्यक्ति आय सबसे कम	शिवहर	अररिया
पेट्रोल का सर्वाधिक खपत	पटना	मुजफ्फरपुर
पेट्रोल का सबसे कम खपत	बांका	लखीसराय
डीजल का सर्वाधिक खपत	पटना	शेखपुरा
डीजल का सबसे कम खपत	शिवहर	मधुबनी
रसोई गैस का सबसे अधिक खपत	पटना	बेगूसराय
रसोई गैस का सबसे कम खपत	अररिया	किशनगंज
प्रति व्यक्ति सर्वाधिक लघु बचत	पटना	सारण
प्रति व्यक्ति सबसे कम लघु बचत	अररिया	किशनगंज

अध्याय - 2 राजकीय वित्त व्यवस्था

- राज्य सरकार का कुल व्यय 2021-22 में **1.93 लाख** करोड़ रु. रहा। इसमें से 1.59 लाख करोड़ रु. राजस्व व्यय तथा 0.34 लाख करोड़ रु. पूँजीगत व्यय था।
- कुल सरकारी व्यय में **सामाजिक सेवाएं पर व्यय (39.4%)** सर्वाधिक रहा। इसके बाद क्रमशः सामान्य सेवाएं एवं आर्थिक सेवाएं पर व्यय रहा।
- बिहार का राजकोषीय प्रदर्शन (बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार)

सूचक	2021-22 में
राजस्व व्यय	159220 करोड़
पूँजीगत व्यय	33903 करोड़
कुल व्यय	193123 करोड़ (GSDP का 28.6%) (कुल व्यय पिछड़े वर्ष की तुलना में 16.6% की बढ़ोत्तरी)
राजस्व प्राप्ति	158797 करोड़
पूँजीगत प्राप्ति	40473 करोड़
राजस्व घाटा	422 करोड़ (GSDP का 0.1%)
राजकोषीय घाटा	25551 करोड़ (GSDP का 3.8%)
प्राथमिक घाटा	11729 करोड़ (GSDP का 1.7%)

- पिछले वित्तीय वर्ष (2020-21) की तुलना में बिहार सरकार राजस्व घाटा में **96.3% की कमी ला सकी,** जो 2020-21 के 11325 करोड़ रुपये से घटकर 2021-22 में राजस्व घाटा महज 422 करोड़ रूपये ही रह गया।
- राज्य सरकार पूँजीगत व्यय बढ़ाने पर अपना फोकस जारी रखा है जो वित्त वर्ष 2021-22 में 29.4% बढ़कर 33,903 करोड़ रुपये हो गया।
- वित्तीय वर्ष 2021-22 में राज्य सरकार का कुल उधार 40,445 करोड़ रुपये और बकाया ऋण 2.58 लाख करोड़ रुपये था।
- **वर्ष 2021-22 में स्टाम्प एवं निबंधन शुल्कों से राजस्व संग्रह में पटना का स्थान प्रथम और मुजफ्फरपुर, मोतिहारी का स्थान क्रमशः दूसरा और तीसरा रहा।**
- **स्टाम्प एवं निबंधन शुल्कों से सबसे कम राजस्व संग्रहण वाले क्रमशः तीन जिले शिवहर अरवल और शेखपुरा रहा।**

अध्याय - 3 कृषि एवं सहवर्ती क्षेत्र

- वर्ष 2021-22 में कृषि एवं सहवर्ती क्षेत्र का सकल राज्यगत मूल्यवर्धन (GSVA) में 21.2% (2020-21 में 21.3%) हिस्सा था। जिसमें सर्वाधिक 11.1% हिस्सा फसल क्षेत्र का है।
- वित्त वर्ष 2021-22 में स्थिर मूल्य पर बिहार में **कृषि क्षेत्र का वार्षिक वृद्धि दर 9.6% है। यह 2020-21 में 8.4% था।**
- आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार राज्य सरकार कुल कितने जिलों में **जैविक पट्टी विकसित कर रही है- 13 जिलों में।**
- 13 जैविक जिलें- बक्सर, भोजपुर, पटना, नालंदा, सारण, वैशाली, समस्तीपुर बेगूसराय, भागलपुर मुंगेर, लखीसराय, कटिहार और खगडिया।
- आर्थिक सर्वे 2021-22 के अनुसार बागवानी क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए राज्य के कुल कितने जिलों में समेकित बागवानी **विकास मिशन चलायी जा रही है- 23 जिलों में।**
- कुल कितने जिलों में मुख्यमंत्री बागवानी विकास योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है- 15 जिलों में।
- बिहार में डिजिटल कृषक सेवाएं देने के लिए बिहार कृषि विभाग द्वारा कौन-सा मोबाइल ऐप की शुरुआत की गई- **बिहान**
- बिहार कृषि विभाग ने दो उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किये हैं- एक चंडी में सब्जियों के लिए और दूसरा देसारी में फलों के लिए।
- वर्ष 2021-22 में राज्य में खाद्यान्नों (अनाज+दलहन) का कुल कितना उत्पादन हुआ- 184.9 लाख टन (18486.9 हजार टन) **6.2% की वृद्धि।**

बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार वर्ष 2021-22 में	
मांस का उत्पादन	3.93 लाख टन
मछली का उत्पादन	7.62 लाख टन
अंडा का उत्पादन	306.66 करोड़
दूध का उत्पादन	121.19 लाख टन

- बिहार में DNA फिंगर प्रिंटिंग का उपयोग करके किन फसलों के संकर बीजों की जेनेटिक पहचान के लिए कार्यक्रम शुरू किया गया- मक्का और धान
- वर्ष **2021-22** में तिलहनों के बीच अंडी की उत्पादकता में सर्वाधिक वृद्धि हुई।
- वर्ष **2020-21** में किन दो जिलों में निवल बुआई क्षेत्र 80% से अधिक था- भोजपुर (**81.6%**) और बक्सर (**80.5%**)
- बिहार का फसल सघनता 14.4 है।
- फसल सघनता सर्वाधिक - **शिवहर में**
- फसल सघनता सबसे कम - **पूर्णिया में**
- बिहार में प्रयुक्त जोतों का औसत आकार 0.39 हेक्टेयर है।
- बिहार के कुल प्रयुक्त क्षेत्रफल में लघु एवं सीमांत जोतों का लगभग 75% हिस्सा है। जबकि बड़ी जोतों का 1% से भी कम हिस्सा है।
- वर्ष 2021-22 में बिहार में विभिन्न मद के उत्पादन आंकड़े

मद	कुल उत्पादन
कुल फल	49.87 लाख टन
केला	79.68 लाख टन
आम	15.5 लाख टन
लीची	3.08 लाख टन
फूल	11.14 हजार टन
सब्जी	178.45 लाख टन

- वर्ष **2021-22** में लीची का सर्वाधिक उत्पादन मुजफ्फरपुर (1.48 लाख टन) में हुआ, जिसका पूरे राज्य में 48 प्रतिशत अकेले हिस्सा है।
- बिहार देश के मशरूम का सर्वाधिक **(28 हजार टन)** उत्पादन करता है।
- ऊन का कुल उत्पादन **2021-22** में कितना रहा - 1.72 लाख किग्रा.।
- बिहार में पशुओं की कुल संख्या कितनी थी- 3.65 करोड़ जिसमें 42.1 प्रतिशत हिस्सा गोवंश (गाय एवं बैल) का है।
- गायों से दूध के उत्पादन में समस्तीपुर अग्रणी है एवं भैसों के दूध के उत्पादन में मधुबनी अग्रणी है।

- वर्ष 2021-22 में रासायनिक उर्वरकों में सर्वाधिक किसकी खपत हुई - यूरिया (64.6%)
- वर्ष 2021-22 में यूरिया की खपत सर्वाधिक कहां हुई- **पूर्णिया**

अध्याय - 4 उद्यम क्षेत्र

- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार दो सबसे महत्वपूर्ण कृषि आधारित उद्योग कौन है- **चीनी उद्योग, डेयरी** (गव्य) उद्योग
- बिहार में 11 चीनी मिल हैं। वर्ष 2021-22 में **इनमें 9 मिलें चालू** थीं।
- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार चीनी का उत्पादन कितना हुआ- 45.6 लाख क्विंटल
- बिहार में चीनी प्राप्ति की दर- **9.6%**
- बिहार में इथेनॉल उत्पादन की क्षमता 2021-22 में 470 हजार लीटर प्रतिदिन थी। सबसे **ज्यादा इथेनॉल उत्पादन हरिनगर चीनी** मिल से हुआ।
- 2021-22 में बिहार के 8 चीनी मिलों ने संयुक्त रूप से 88.5 मेगावाट बिजली उत्पादन की है।
- सबसे ज्यादा बिजली उत्पादन भी हरिनगर चीनी मिल से हुआ।
- वर्ष 2018-19 से 2019-20 के **बीच बिहार में कारखानों** की संख्या सिर्फ 0.3 प्रतिशत बढ़ी, लेकिन कार्यशील पूँजी 51 प्रतिशत बढ़ गयी।
- वर्ष 2021-22 में 45 सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना हुई वृहत इकाईयों की संख्या 2021-22 में 3 से बढ़कर 11 हो गई।
- 2020-21 में बिहार का सकल राज्यगत मूल्यवर्धन में औद्योगिक क्षेत्र का योगदान 19.4 प्रतिशत रहा।
- राज्य में कपड़ा और **चमड़े के वस्तुओं की उत्पादन** क्षमता बढ़ाने तथा मजबूत मूल्य श्रृंखला के निर्माण के लिए राज्य सरकार ने बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति **(वस्त्र एवं चर्म नीति)**, 2022 भी सूत्रबद्ध की है।
- नई पीढ़ी के उद्यमियों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने **बिहार स्टार्ट-अप** नीति, 2022 सूत्रबद्ध की है।
- **बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति 2022 के अनुसार राज्य सरकार को गत वर्षों में कुल 60.86 हजार करोड़ रु.** निवेश के लिए प्रस्ताव मिले। अभी बिहार में 398 इकाइयाँ काम कर रही है।
- बिहार में मलवरी, तसर और अंडी तीनों प्रकार के रेशम का उत्पादन होता है।
- **मलबरी रेशम का उत्पादन- सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, अररिया,** किशनगंज और कटिहार।
- तसर रेशम का उत्पादन **बांका, मुंगेर, नवादा, कैमूर और जमुई एवं अंडी रेशम का उत्पादन मुजफ्फरपुर** और बेगूसराय में होता है।
- 2021-22 में मलबरी कच्चे रेशम का उत्पादन 19 टन, तसर कच्चे रेशम का उत्पादन 41.4 टन तथा अंडी कच्चे रेशम का उत्पादन 13.2 टन हुआ।
- वर्ष 2020 में बिहार में आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या (देशी विदेशी) 59.5 लाख थी।
- 2021 में इनकी संख्या घटकर मात्र 25.01 लाख रह गई।

अध्याय - 5 श्रम, रोजगार तथा कौशल

- भारत के प्रमुख राज्यों में बिहार का श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR) पुरुष और महिला दोनों के लिए स्थिति क्या है- सबसे कम
- ग्रामीण बिहार में पुरुष **श्रमिक जनसंख्या अनुपात 68.8% एवं** शहरी बिहार में पुरुष श्रमिक जनसंख्या अनुपात 64.6% है। वहीं संपूर्ण बिहार का श्रमिक जनसंख्या अनुपात 40.1% है
- बिहार आर्थिक सर्वे के **अनुसार वर्ष 2020-21 में निर्भरता** अनुपात बिहार में सर्वाधिक थी जो है 58.3% (राष्ट्रीय औसत 44.3%)।
- सबसे कम निर्भरता अनुपात तेलंगाना (34.8%) का है।
- बिहार में ग्रामीण बिहार की अपेक्षा शहरी बेरोजगारी अनुपात अधिक है।
- 2020-21 में पूरे बिहार की श्रमशक्ति सहभागिता दर 42.29% है। जिसमें पुरुष का श्रमशक्ति **सहभागिता दर 72.2% है।**
- महिला का श्रमशक्ति सहभागिता दर 10.9% है।
- भारत के सभी राज्यों में बिहार का श्रमशक्ति सहभागिता दर महिला-पुरुष दोनों में सबसे कम है।
- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण **2021-22 के अनुसार बिहार** में किन जिलों में पासपोर्ट की मांग काफी अधिक है- सीवान (सबसे कम शेखपुरा)
- **वर्ष 2021-22 में बिहार में 309 हजार पासपोर्ट** जारी किये गये।

अध्याय- 6 भौतिक अधिसंरचना

- वर्ष 2021-22 के दौरान देश में परिवहन, भंडारण एवं संचार क्षेत्र में सर्वाधिक वृद्धि किस राज्य में दर्ज **हुई- बिहार 20.4 प्रतिशत** वृद्धि
- वर्ष 2021-22 में स्थिर मूल्य पर परिवहन भंडार एवं संचार क्षेत्र में बिहार का सकल राज्यगत मूल्यवर्धन (GSVA) कितना प्रतिशत दर से बढ़ा है- 10.6%
- वर्ष **2021-22 में बिहार के वायु परिवहन में 54.4% की** वृद्धि दर्ज की गई। पथ परिवहन में 31.8% GSVA बढ़ा।

- **वर्ष 2020 में प्रति लाख आबादी पर बिहार में 65 दुर्घटनाएं** हुई वहीं राष्ट्रीय स्तर पर 26.3 दुर्घटनाएं हुई थी।
- सड़क दुर्घटना के मामले में बिहार का स्थान देश में 15वां है। प्रथम स्थान (सर्वाधिक सड़क दुर्घटना) **तमिलनाडु** का है।
- **प्रति 1000 वर्ग किमी.,** भौगोलिक क्षेत्रफल पर 3167 किमी. पथ घनत्व के साथ बिहार का स्थान भारत में- तीसरा (पहला- केरल, दूसरा- पश्चिम बंगाल)
- मार्च 2022 के अंत तक बिहार में राष्ट्रीय उच्चपथों (NH) का घनत्व 631 किमी. **प्रति 1000 वर्ग किमी. क्षेत्रफल पर है।** जो पंजाब और हरियाणा के बाद देश में सर्वाधिक है।
- राष्ट्रीय उच्च पथों **(NH)** में सबसे कम घनत्व छत्तीसगढ़ का है।
- बिहार में छभ् की कुल लंबाई सितंबर 2022 तक कितनी है- 5977 km
- **वर्ष 2021-22 में बिहार में 519 किमी. NH बने।** वहीं इसी समय काल में **सर्वाधिक NH का निर्माण महाराष्ट्र** में हुआ।
- NH की सर्वाधिक लंबाई बिहार के किस जिले में है पटना (506 किमी.)
- NH की सबसे कम लंबाई बिहार के किस जिले में है शिवहर (22 किमी.)
- सितंबर 2022 तक बिहार में राज्य उच्चपथों (SH) की कुल लंबाई 3638 किमी. थी जिसका बिहार के सभी सड़कों में लगभग 2.1% हिस्सा था।
- राज्य उच्च पथों में सर्वाधिक क्षेत्र पथ घनत्व केरल का है। बिहार आठवें स्थान पर है।
- बिहार राज्य पथ परिवहन निगम **(BSRTC) की स्थापना 1959** में की गई।
- बिहार में मार्च 2021 तक रेलमार्ग की लंबाई 3803 किमी. थी। पूरे देश के रेल नेटवर्क में **बिहार का हिस्सा लगभग 5.6% है।**
- सारण जिले के छपरा शहर में देश का सबसे लम्बा डबल डेक फ्लाई ओवर का निर्माण किया जा रहा है।
- बिहार के पटना में बन रहे **जयप्रकाश गंगा पथ (दीघा से दीदारगांज) की कुल लंबाई कितनी है- 20.5 किमी.**
- छह लेन गंगा पुल **(सबलपुर- बिदुपुर)** परियोजना (1976 km लंबी) का निर्माण किसके सहयोग से कराया जा रहा है- एशियाई विकास बैंक
- मार्च 2021 के अंत तक बिहार में कुल 9302 डाकघर थे। जिसमें से 95.14% **ग्रामीण डाकघर** हैं।
- वर्ष **2020-21 में वाहनों के निबंधन** के मामले में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद बिहार का ही स्थान है।

अध्याय - 7 ई-शासन

- ई-शासन को बढ़ावा देने के लिए **बिहार को सीएसआइ निहिलेंट अवार्ड, सीएसई एसआइजी ई-गवर्नेंस अवार्ड,** और प्रत्यक्ष लाभांतरण में सर्वाधिक लेनदेन के लिए डिजिटल इंडिया अवार्ड जैसे अनेक पुरस्कार मिले हैं।
- भारत के राष्ट्रपति ने बिहार राज्य को महामारी के दौरान उचित नवाचार के लिए डिजिटल इंडिया पुरस्कार 2020 से भी नवाजे हैं।
- ई-सरकार विकास सूचकांक-2022 में भारत का स्थान 105वां था।
- बिहार में **98.79% ग्राम पंचायत भारत नेट** के तहत आच्छादित है। बिहार में दूरभाषा **घनत्व 50.6%, इंटरनेट घनत्व 31%** है।
- आपात अनुक्रिया सहयोग प्रणाली द्वारा एकल आपात नंबर 112 उपलब्ध कराया गया।
- मुख्यमंत्री डिजिटल स्वास्थ्य योजना का क्रियान्वयन पायलट आधार पर मुजफ्फरपुर में किया गया और सफल क्रियान्वयन के बाद उसे शेष 37 जिलों में क्रियान्वित किया जाएगा।
- आधार का नामांकन **बिहार में 86% पहुँच गया है। जहाँ संपूर्ण भारत में औसत नामांकन 93%** है।
- बिहार के हर पुलिस थाने में **भू-समाधान ऐप का उपयोग भूमि विवाद से जुड़े मामलों को ट्रैक** करने के लिए किया जा रहा है।
- बिहार सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बिहार वन पोर्टल विकसित किया।
- बिहार गृह विभाग द्वारा **गृह दर्शन नामक पोर्टल 2022 में तैयार** किया गया।
- अश्विन **मोबाइल ऐप बिहार में आशा** कार्यकर्ताओं के लिए बनाया गया
- **बिहार जल संसाधन विभाग द्वारा वर्ष 2022** में दृष्टि नामक ऐप की शुरूआत की।
- **बिहार वन मित्र मोबाइल ऐप के जरिये 2022 में 1.75 करोड़ पौधा रोपण कर जल जीवन हरियाली अभियान** को सहयोग किया जा रहा है।
- **पटना में IT टावर, बिहटा में IT पार्क राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के निकट IT सिटी-I & II** का निर्माण किया जा रहा है।

अध्याय - 8 ऊर्जा क्षेत्र

- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार बिहार में बिजली की प्रति व्यक्ति खपत वर्ष 2021-22 में कितनी हो गई- **329 Kwh**
- वित्त वर्ष 2021-22 में राज्य में बिजली की कुल खपत बढ़कर 3.28 हजार करोड़ यूनिट हो गई है। **(या 3275.7 करोड़ यूनिट)**
- वर्ष 2021-22 में बिजली की सबसे ज्यादा खपत करने वाले तीन जिले- पटना (सबसे ज्यादा) गया, **मुजफ्फरपुर**
- वर्ष 2021-22 में बिजली की सबसे कम खपत करने वाले तीन जिले - शिवहर (सबसे कम) **अरवल, शेखपुरा**

- वर्ष 2022-21 से 2021-22 के बीच ऊर्जा की खपत में सर्वोच्च वृद्धि किस जिले में देखी गई- **लखीसराय**

2021-22 में बिहार में बिजली की चरम मांग एवं पूर्ति	
अनुमानित चरम मांग	6475 मेगावाट
चरम मांग की पूर्ति	6627 मेगावाट

- बिहार राज्य में बिजली को उत्पादन क्षमता वर्ष 2021-22 में कितनी मेगावाट हो गयी- 7785 मेगावाट (21.2% वृद्धि)।
- **2020-21 में 6422 MW थी।**
- **बिहार में वर्ष 2022-23 में बिहार में बिजली का सबसे बड़ा उपभोक्ता घरेलू उपभोक्त ही है।**

मार्च 2022 तक बिहार में बिजली की उत्पादन क्षमता	
ताप विद्युत (कोयला आधारित)	5363 मेगावाट
जल विद्युत	803 मेगावाट
नवीकरणीय ऊर्जा	1614 मेगावाट
कुल	7785 मेगावाट

- मार्च 2021 से मार्च 2022 के बीच कोयला आधारित ताप विद्युत की वृद्धि दर 9.1% और नवीकरणीय स्रोतों की वृद्धि दर 130.6% रही।
- बिहार में अभी कितने **लघु जलविद्युत परियोजनाएं चालू है-13**
- इन **13 लघु जलविद्युत परियोजनाएं की कुल स्थापित क्षमता 54.3 मेगावाट।**
- बिहार में **सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए नोडल अभिकरण कौन है- बिहार नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (ब्रेडा)।**
- **वर्ष 2024-25 तक बिहार में बिजली की कुल उपलब्ध क्षमता कितना मेगावाट होने का अनुमान है 13,626 मेगावाट**

अध्याय - 9 ग्रामीण विकास

2022-23 में बिहार में पंचायती राज संस्थाओं का अवलोकन	
जिला परिषद	38
ग्राम पंचायत	8058

- जीविका के नाम से मशहूर बिहार ग्रामीण आजीविका प्रोत्साहन समिति ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में निबंधित संस्था है। यह संस्था बिहार के ग्रामीण विकास में मुख्य भूमिका निभाती है। **वर्ष 2007 में बने इस परियोजना के 15 वर्ष पूरे हो गये।**
- **सितंबर 2022 तक जीविका के तहत 10.35 लाख स्वयं सहायता समूह गठित हुए थे।**
- **जीविका ने जीविका वीमन इनिशिएटिव फॉर रिन्यूएबल एनर्जी एंड सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड नामक सौर ऊर्जा कंपनी का प्रवर्तन किया है।** जिसे आम तौर पर 'जे वायर्स' के नाम से जाना जाता है।
- **हरित जीविका हरित बिहार अभियान के तहत जीविका पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केन्द्रित करके समुदाय के सदस्यों को जागृत करती है।**
- **वर्ष 2021-22 में बिहार में मनरेगा जॉब कार्ड धारक परिवारों की संख्या 189 लाख हो गई। जिसमें 20.6%** अनुसूचित जाति के लोग हैं।
- 2021-22 में मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध कराये गये परिवारों की संख्या **48 लाख हो गई।**
- मनरेगा के तहत कुल सृजत रोजगार में **महिलाओं का 53.4% हिस्सा है।**
- आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार सरकार ने जल जीवन हरियाली मिशन की औपचारिक शुरूआत कब की थी **26 अक्टूबर, 2019 (पश्चिम चम्पारण चम्पापुर गाँव से)**
- इसकी घोषणा 2 अक्टूबर 2019 को ज्ञान भवन पटना से की गई थी।
- सात निश्चय-2 के तहत मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना का आरंभ **2022-23 से राज्य के हर पंचायत के लिए किया गया है। इस योजना के तहत हर वार्ड में 10 सोलर स्ट्रीट लाइट** लगाए जाएंगे।

अध्याय - 10 नगर विकास

- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार बिहार सरकार शहरी केन्द्र को पुर्नपरिभाषित किया है जिसके तहत बिहार में अब शहरीकरण का दर 16.2% हो गया। जबकि जनगणना 2011 के अनुसार **बिहार में शहरीकरण का स्तर 11.3%** था।
- वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार बिहार की कुल शहरी आबादी 1.18 करोड़ थी। वहीं, 2022 में बिहार की अनुमानित **शहरी आबादी 2.02 करोड़ (16.2%)** है। क्योंकि राज्य सरकार ने कुछ ग्रामीण क्षेत्रों को शहरी क्षेत्रों में बदलने का निर्णय लिया जिसके तहत 9 नये नगर परिषद तथा 111 नये नगर पंचायत स्थापित किये गये।
- **पटना जिले में शहरी आबादी सर्वाधिक 44.3% है। उसके बाद मुंगेर (28.3%) और नालंदा (26.2%)** का स्थान है।
- **मुख्यमंत्री शहरी पेयजल** निश्चय योजना के तहत प्रत्येक परिवार को पाइप के जरिये प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 70 लीटर पानी की आपूर्ति कराने का लक्ष्य है।
- **राज्य सरकार बिहार की कितने शहरों में बहुद्देश्यीय** सम्राट अशोक भवनों का निर्माण कराने का निर्णय लिया है- बिहार के सभी 142 शहरों में

अध्याय - 11 बैंकिंग और सहवर्ती क्षेत्र

- बिहार आर्थिक सर्वे के अनुसार वर्ष 2021-22 में बिहार का ऋण जमा अनुपात कितना प्रतिशत हो गया- **44.2%**
- सितंबर 2022 में बिहार में निजी बैंक क्षेत्र का ऋण जमा अनुपात 87.2% था जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से काफी अधिक है।
- बिहार के तीन जिले ऐसे कौन है जिनका ऋण जमा अनुपात राष्ट्रीय औसत (72.1%) से अधिक रहा पूर्णिया, अररिया, किशनगंज
- बिहार के किस जिले का ऋण जमा अनुपात सबसे कम रहा - **मुंगेर**
- **100% से अधिक ऋ ण जमा अनुपात वाले राज्य - आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु**
- 2022 में बिहार के सभी बैंकों के समग्र NPA घटकर कितना प्रतिशत हो गया- **11.3%**
- 31 मार्च 2022 तक बिहार में 7713 बैंक शाखाएं मौजूद थी।
- अनुसूचित व्यवसायिक बैंकों की कुल शाखाओं में ग्रामीण और अर्ध-**शहरी क्षेत्रों का हिस्सा पूरे देश में लगभग 60 प्रतिशत है। लेकिन यह बिहार में 75 प्रतिशत है।**

अध्याय - 12 मानव विकास

- बिहार में जन्मकालीन जीवन संभाव्यता 2016-20 में कितनी वर्ष की हो गई- 69.5 वर्ष **(पुरुषों की 69.7 वर्ष, महिलाओं की 69.2 वर्ष)**।
- वर्तमान में **बिहार में जन्मकालीन जीवन संभाव्यता भारत के 70 वर्ष से सिर्फ 05 वर्ष कम है।**
- प्रतिदर्श निबंधन प्रणाली (SRS) **के नये ऑकड़े के अनुसार मातृ मृत्यु दर 2018-20 में 118 प्रति लाख जीवित प्रसव** रह गयी। (भारत में यह 97 है।)

बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के महत्वपूर्ण आंकड़े	
शिशु मृत्यु दर (IMR)	27 (1000 जीविक प्रसव में 27 मृत्यु)
बाल मृत्यु दर (CMR)	6.9
नवजान मृत्यु दर (NMR)	21
5 वर्ष पूर्व मृत्यु दर (USMR)	30
अशोधित जन्म दर (CBR)	25.5
नोट: बिहार का उपरोक्त आंकड़ा वर्ष 2020 के लिए है।	

- वर्ष 2021-22 में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक दोनों स्तरों पर नामांकन 41 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़कर **214 लाख हो गया**।
- प्राथमिक स्तर नामांकन 142 लाख, उच्च प्राथमिक स्तर पर **नामांकन 72 लाख हो गया**।
- बिहार कोविड टीकाकरण अभियान के लिए अभियान गीत क्या था- कर दिखाएगा बिहार, **कोरोना का टीका लगाएगा बिहार**

अध्याय - 13 बाल विकास

- बिहार में बाल बजट निर्माण की प्रक्रिया कब शुरू हुई - 2013-14
- 0-18 वर्ष की उम्र वाले **4.98 करोड़ बच्चे बिहार** में है। जिसमें से 2.35 करोड़ लड़कियाँ है।
- समेकित बाल विकास सेवा (ICDS) **बिहार के कितने जिलों में चल रही है- सभी 38 जिलों** में।
- इसके तहत दी जाने वाली सेवा में सुधार और कार्यक्रम के तत्काल अनुश्रवण के लिए सभी **36 जिलों में पोषण ट्रैकर** का उपयोग किया जा रहा है। **(पोषण ट्रैकर मोबाइल आधारित ऐप है।)**
- पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के मूल्यांकरण के लिए तीन मुख्य सूचक है-

8. ठिगनापन **(स्टंटिंग)** उम्र के अनुसार कम लंबाई
9. दुबलापन **(वेस्टिंग)** ऊंचाई के अनुसार कम वजन
10. हल्कापन **(अंडरवेट)** उम्र के अनुसार कम वजन

- सर्वाधिक ठिगनापन वाले बच्चे सीतामढ़ी में **(सबसे कम गोपालगंज)**
- सर्वाधिक दुबलापन वाले बच्चे अरवल में **(सबसे कम पश्चिम चंपारण)**
- सर्वाधिक हल्कापन वाले बच्चे अरवल में **(सबसे कम हल्कापन गोपालगंज)**
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत **गर्भवती महिलाओं को कुल कितनी राशि तीन किस्तों में दी जाती है- 5000**
- इसके अलावा सरकारी या निबंधित निजी संस्थानों में प्रसव होने पर लाभार्थी को 1000 रुपया प्राप्त होती है। (कुल 6000 रुपये)

अध्याय - 14 पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं आपदा प्रबंधन

- आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार वर्ष 2021 में बिहार में औसतन वर्षा हुई- 1414 मिमी (वर्षा के दीर्घकालिन औसत 1012mm से लगभग 31% अधिक)
- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण **2022-23 के अनुसार वर्ष 2021 में बिहार का औसत न्यूनतम तापमान 30C** और औसत उच्चतम तापमान 42.5C रहा।
- वर्ष 2021-22 में जल जीवन हरियाली अभियान के मिशन 5 करोड़ वृक्षारोपण अभियान के तहत कुल **389 लाख पौधे लगाये गये**।
- वर्ष 2021-22 में बिहार के **32 जिले बाढ़ के कारण प्रभावित हुआ।**
- **जलवायु परिवर्तन प्रयोगशाला की स्थापना कहाँ की गई - पटना चिडियाघर में**
- बिहार आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार **बिहार राज्य में तीन कृषि जलवायु क्षेत्र है- 13 जिलों वाला उत्तर पश्चिमी क्षेत्र, 8 जिलों**

वाला उत्तर पूर्वी क्षेत्र एवं 17 जिलों वाला दक्षिणी क्षेत्र।

- वर्ष 2021-22 में सर्वाधिक वर्षा बिहार के किस जिले में हुई पश्चिम चम्पारण (2248 mm), उसके बाद किशनगंज में **(2224mm)**
- **वित्त वर्ष 2022-23 में सितंबर 2022 तक सबसे अधिक वर्षा** किशनगंज में हुई है।
- वर्ष 2020 में सबसे कम वर्षा कहां हुई **अरवल (850mm)**
- बिहार राज्य नमभूमि बोर्ड की स्थापना कब की गई **2000 बेगूसराय जिले में कावर ताल नमभूमि को 38वें रामसर साइट** घोषित किया गया था।
- बिहार के राजगीर जू सफारी 191.12 हेक्टेयर जमीन में फैला है जहाँ 5 जंगली पशु प्रजातियों **(शाकाहारी भालू, तेंदुआ, बाघ और सिंह को रखा गया है।**
- महावीर जैव विविधता पार्क का उद्घाटन कहाँ किया गया- **जमुई**
- वर्ष **2021-22 तक बिहार में कुल 13 वन्यजीव अभ्यारण्य** थे। इसमें सबसे बड़ा वन्यजीव अभ्यारण्य कैमूर वन्यजीव अभ्यारण्य **(क्षेत्रफल 1505 वर्ग किमी.)** है।
- बिहार के एक मात्र बाघ अभ्यारण्य **वाल्मीकि वन्यजीव अभ्यारण्य का क्षेत्रफल लगभग 900 वर्ग किमी.** है।

राष्ट्रीय स्तर पर कृषिगत उत्पादन में बिहार का स्थान

स्रोतः उद्यान निदेशालय (अप्रैल 2023)

कृषिगत मद	उत्पादन में स्थान
मखाना, लीची, मशरूम	प्रथम
कद्दू, लौकी, भिंडी	प्रथम
जूट एवं मेस्ता	दूसरा
मक्का	तीसरा
सब्जी, फूलगोभी, आलू	तीसरा
सूर्यमुखी	तीसरा
आम	चौथा
शहद	चौथा
मतस्य	चौथा
धान, गेहूं	छठा
फल	छठा
केला	सातवां

Scan to Know More

बिहार बजट विश्लेषण 2023-24

बजट के मुख्य अंश

- 2023-24 के लिए बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) (मौजूदा कीमतों पर) 8.59 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें **2022-23 (7.89 लाख करोड़ रुपए)** की तुलना में 8.9% की वृद्धि है ।
- 2023-24 में व्यय **(ऋण चुकौती को छोड़कर) 2,38,327 करोड़ रुपए अनुमानित है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 12%** कम है। इसके अलावा राज्य द्वारा 23,559 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाया जाएगा। 2022-23 में व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर) बजट अनुमान से 21% अधिक अनुमानित है।
- 2023-24 के लिए प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर) 2.12,759 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 6% अधिक है। 2022-23 में प्राप्तियां **(उधारियों को छोड़कर)** बजट अनुमान से 2% अधिक होने का अनुमान है।
- 2023-24 में राजस्व अधिशेष 4,479 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 0.5%) होने का अनुमान है। 2022-23 राज्य को संशोधित अनुमानों (जीएसडीपी का 3.6%) के अनुसार **28,349 करोड़ रुपए के राजस्व घाटे की उम्मीद है**। राज्य ने बजट स्तर पर 2022-23 में **4,748 करोड़ रुपए के राजस्व अधिशेष (जीएसडीपी का 0.6%)** का अनुमान लगाया था।
- 2023-24 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 3% **(25,568 करोड़ रुपए) पर लक्षित** है। 2022-23 में संशोधित अनुमानों के अनुसार, राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 8.8% रहने की उम्मीद है **जो जीएसडीपी के 3.5% के बजट** अनुमान से काफी अधिक है। यह देखते हुए कि 2022-23 के लिए अनुमत **राजकोषीय घाटे की सीमा जीएसडीपी का 4%** है, संशोधित अनुमानों के बने रहने की संभावना नहीं है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **कृषि: कई मिशन शुरू करने का प्रस्ताव है:**
  i. बिहार मिलेट मिशन
  ii. बिहार दलहन और तिलहन विकास मिशन, और
  iii. फसल विविधीकरण मिशन। दलहन और तिलहन पर विशेष ध्यान देते हुए **चौथा कृषि रोडमैप लागू किया** जाएगा। राज्य कृषि मण्डी प्रांगणों (याड्र्स) की अवसंरचना का आधुनिकीकरण किया जाएगा।
- **भूजल संरक्षण:** भूजल संरक्षण के लिए **उत्कृष्टता केंद्र** स्थापित किया जाएगा।
- **सरकारी भर्ती:** बिहार लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग और तकनीकी सेवा आयोग द्वारा कुल **63,900 पदों** को भरने के लिए मांग पत्र दिया गया है। **पुलिस में 75,543** पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है।

बिहार की अर्थव्यवस्था

- जीएसडीपी 2021-22 में बिहार की जीएसडीपी (स्थिर कीमतों पर) पिछले वर्ष के निम्न आधार पर 11% बढ़ने का अनुमान है। में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद को धीमी दर से 91% बढ़ने का अनुमान है (क्रमशः 28 फरवरी, 2023 को जारी पहले संशोधित अनुमान 2020-21 में **बिहार की जीएसडीपी** में 3.2% की कमी आई थी। इसकी तुलना में, 2020-21 में 5.8% के संकुचन के बाद, 2021-22 और दूसरे संशोधित अनुमान के अनुसार) ।
- क्षेत्रः 2021-22 मैं कृषि, **मैन्यूफैक्चरिंग** और सेवा क्षेत्रों का बिहार की अर्थव्यवस्था में क्रमशः 26%, 15% और 59% योगदान करने का अनुमान है **(मौजूदा कीमतों पर)**।
- बेरोजगारीः आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (जुलाई 2021 जून 2022) के अनुसार, **बिहार में बेरोजगारी दर 6% थी** जो राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी दर (4.1%) से अधिक थी। **15 - 29 वर्ष आयु वर्ग के लिए, बिहार में बेरोजगारी दर 20.1%** थी. जो राष्ट्रीय स्तर (12.4%) से अधिक थी।

रेखाचित्र 1: बिहार में स्थिर मूल्यों पर (2011-12) जीएसडीपी और विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि

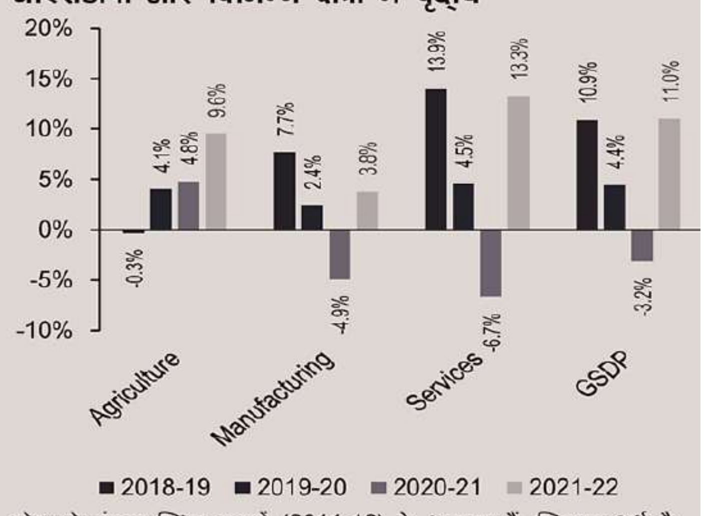

नोट: ये संख्या स्थिर मूल्यों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है।
स्रोत: बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23; पीआरएस।

2023-24 के लिए बजट अनुमान

- 2023-24 में 2,38,327 करोड़ रुपए कुल व्यय (ऋण अदायगी को छोड़कर) का लक्ष्य रखा गया है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 12% कम है। इस व्यय को **2,12,759 करोड़ रुपए की प्राप्तियों (उधारियाँ को छोड़कर)** और 25,768 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है। **2023-24 में कुल प्राप्तियों (उधार के अलावा) में 2022-23** के संशोधित अनुमान की तुलना में 6% की वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है।
- **संशोधित अनुमानों की विश्वसनीयता :** बजट दस्तावेजों में प्रस्तुत संशोधित अनुमानों का उद्देश्य चालू वित्तीय वर्ष की अधिक यथार्थवादी तरवीर प्रदान करना है। हालांकि बिहार में संशोधित स्तर पर व्यय अनुमान अक्सर अवास्तविक होते हैं जिसके कारण राजकोषीय घाटे का अनुमान अनुमत सीमा से बहुत अधिक होता है। 2020-21, 2021-22 और 2022-23 में, संशोधित अनुमानों के **अनुसार, राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में क्रमशः 6.8%, 11.3% और 8.8% रहने की उम्मीद थी।** 2021-22 के संशोधित चरण में व्यय अनुमान बजट से 18% अधिक था, **हालांकि 2021-22 में वास्तविक व्यय बजट अनुमान से 12% कम है (अनुलग्नक II में तालिका 7 देखें)**
- 2023-24 में राज्य ने 4,479 करोड़ रुपए के राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया है जो **जीएसडीपी का 0.5%** हैं इसकी तुलना में **2022-23 में राज्य को 28,349 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 3.6%)** के राजस्व घाटे की उम्मीद है। 2023-24 में राजकोषीय घाटा **जीएसडीपी का 3%** अनुमानित है जो केंद्रीय बजट 2023-24 के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा अनुमत जीएसडीपी के **3.5% की सीमा के भीतर है (जिसमें से जीएसडीपी का 0.5% बिजली** क्षेत्र में सुधार करने पर उपलब्ध कराया जाएगा) ।
- 2022-23 में, संशोधित अनुमानों के अनुसार, व्यय **(ऋण चुकौती को छोड़कर) बजट अनुमान से 21%** अधिक होने की उम्मीद हैं। इसकी तुलना में, प्राप्तियां (उधार को छोड़कर) बजट अनुमान से केवल 2% अधिक होने की उम्मीद है। नतीजतन, राज्य का राजस्व घाटा और **राजकोषीय घाटा संबंधित बजट** अनुमानों से काफी अधिक होने की उम्मीद है। संशोधित अनुमानों के अनुसार **2022-23 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 8.8%** रहने की उम्मीद है। यह देखते हुए कि 2022-23 के लिए अनुमत **राजकोषीय घाटे** की सीमा **जीएसडीपी का 4%** है, इन संशोधित अनुमानों के बने रहने की संभावना नहीं है । इसलिए 2022-23 में वास्तविक व्यय संशोधित अनुमान से काफी कम हो सकता है।

2023-24 में व्यय

- 2023-24 के लिए **राजस्व व्यय 2,07,848 करोड़** रुपए प्रस्तावित है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 9% कम है। इसमें वेतन, **पेंशन, ब्याज अनुदान और सबसिडी पर खर्च शामिल है। 2022-23 में राजस्व व्यय बजट अनुमान से 19%** अधिक रहने का अनुमान है।
- संशोधित अनुमानों की विश्वसनीयताः बजट दस्तावेजों में प्रस्तुत संशोधित अनुमानों का उद्देश्य 9-10 महीनों के वास्तविक आकड़ों के आधार पर चालू वित्तीय वर्ष की अधिक यथार्थवादी तस्वीर प्रदान करना है। हालांकि बिहार में संशोधित स्तर पर व्यय अनुमान अक्सर अवास्तविक होते हैं, जिसके कारण **राजकोषीय घाटे** का अनुमान अनुमत सीमा से बहुत अधिक होता है। 2020-21, 2021-22 और 2022-23 में संशोधित अनुमानों के अनुसार, रा**जकोषीय घाटा जीएसडीपी के % के रूप में 6.8% 11.3% और 8.8%** रहने की उम्मीद थी। 2020-21 और 2021-22 में वास्तविक के अनुसार **जीएसडीपी के ॠ** के रूप लिए संशोधित स्तर पर व्यय अनुमान बजट अनुमान से 18% था, हालांकि 2021-22 में वास्तविक व्यय बजट अनुमान से 12% कम है **(अनुलग्नक II में तालिका 7)।**
- 2023-24 के लिए पूंजी परिव्यय क्रमशः **29,257 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 26% कम है**। पूंजी परिव्यय परिसंपत्ति निर्माण संबंधी व्यय को अधिक था, हालांकि 2021-22 में वास्तविक व्यय बजट अनुमान से दर्शाता है। 2022-23 के संशोधित अनुमानों के अनुसार, पूंजी परिव्यय बजट अनुमान से 33% अधिक होने की उम्मीद हैं।
- **क्षेत्रवार व्ययः** राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में आम तौर पर वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। 2023-24 में बिहार द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर **78,910 करोड़ रुपए खर्च** करने का अनुमान है जो इसकी राजस्व प्राप्तियों का 37% है। **इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 15%),** पेंशन (14%) और ब्याज (9%) पर खर्च शामिल है। 2022-23 में औसतन राज्यों ने अपनी राजस्व प्राप्तियों का **54% प्रतिबद्ध व्यय मदों के लिए आबंटित** किया था। बिहार में कम प्रतिबद्ध व्यय मुख्य रूप से वेतन पर कम खर्च के कारण है । 2023-24 में पेंशन और ब्याज भुगतान में पिछले वर्ष की **तुलना में क्रमशः** 16% और 13% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि वेतन पर होने वाले खर्च में 4% की वृद्धि होने की उम्मीद है।
- **क्षेत्रवार व्ययः 2022-23 के दौरान बिहार के बजटीय व्यय का 66%** हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में बिहार के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

2023-24 में प्राप्तियां

- 2023-24 के लिए कुल **राजस्व प्राप्ति 2,12,327 करोड़ रुपए**

होने का अनुमान है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 6% अधिक है। इसमें से **56,212 करोड़** रुपए (26%) राज्य द्वारा अपने संसाधनों से जुटाए जाएंगे, और **1,56,115 करोड़ रुपए** (74%) केंद्र से प्राप्त होंगे। केंद्र से संसाधन केंद्रीय करों **(राजस्व प्राप्तियों का 49%)** और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 25%) में राज्य के हिस्से के रूप में होंगे।

- **राज्य का स्वयं कर राजस्वः** बिहार का कुल कर राजस्व 2023-24 में **49,700 करोड़** रुपए होने का अनुमान है जो 2022-23 संशोधित अनुमानों से 20% अधिक है। **जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 2023-24 में 5.8%** अनुमानित है। 2022-23 के लिए राज्य ने बजट स्तर पर इस अनुपात को 5.5% पर अनुमानित किया था, हालांकि संशोधित अनुमानों के अनुसार, यह कम (5.2%) होने की उम्मीद है।
- **केंद्र से हस्तांतरणः** 2023-24 में केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 1,02,737 करोड़ रुपए अनुमानित है जो 2022-23 के संशोधित अनुमान से 8% अधिक है। 2023-24 के लिए केंद्र से अनुदान के रूप में प्राप्तियां 53,378 करोड़ रुपए होने का अनुमान हैं जो पिछले वर्ष की तुलना में 8% कम है। कम अनुदान के प्रमुख कारणों में से एक यह है कि जून 2022 से जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान बंद हो गया है।
- 2023-24 में अनुमान है कि **राज्य जीएसटी** स्वंय कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत होगा **(63%) एसजीएसटी राजस्व** 2022-23 के संशोधित अनुमान की तुलना में 26% बढ़ने का अनुमान है।
- 2022-23 में बजट अनुमानों की तुलना में किसी भी कर स्रोत से राजस्व में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है। 2022-23 के बजट में भी यह प्रवृत्ति देखी गई थी, जहां 2021-22 में स्वयं के कर स्रोतों से राजस्व के संशोधित अनुमान बजट अनुमान के समान थे। हालांकि 2021-22 में इन स्रोतों से वास्तविक राजस्व, जैसा कि 2023-24 के बजट में प्रस्तुत किया गया था, इन अनुमानों से काफी अलग है।
- **सरकारी वित्त पर प्रतिबंध का प्रभाव-** बिहार ने 2016 में शराब पर प्रतिबंध लगाया था। **शराब राज्य के उत्पाद शुल्क** का प्राथमिक स्रोत था। 2012-13 और 2015-16 के बीच राज्य उत्पाद शुल्क से राजस्व **जीएसडीपी के 0.8% - 1%** के बीच था। राज्य सरकार ने 2015-16 में राज्य उत्पाद शुल्क से 3,142 करोड़ रुपए कमाए जो 2016-17 में घटकर 30 करोड़ रुपए रह गया और तब से नगण्य हो गया है। इसकी तुलना में 2022-23 में राज्य उत्पाद शुलक से **जीएसडीपी का लगभग 1%** औसत बजटीय राजस्व प्राप्त करते हैं।

2023-24 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

- बिहार के **राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम)** एक्ट, 2006 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान में।
- **राजस्व अधिशेषः** यह सरकार की राजस्व प्राप्तियों और व्यय के बीच का अंतर होता है। राजस्व अधिशेष का यह अर्थ होता है कि सरकार का राजस्व अपना व्यय पूरा करने के लिए पर्याप्त है जिससे भविष्य में **पूंजीगत परिसंपत्तियों** का सृजन नहीं होगा और न ही देनदारियां कम होंगी। बजट में 2023-24 में 4,479 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 0.5%) के राजस्व अधिशेष का अनुमान लगाया गया है। 2022-23 में संशोधित अनुमानों के अनुसार राज्य को बजट स्तर पर 4,748 करोड रुपए **(जीएसडीपी का 0.6%)** के राजस्व अधि शेष के लक्ष्य के मुकाबले 28,349 करोड़ रुपए **(जीएसडीपी का 3.6%)** का राजस्व घाटा दर्ज करने की उम्मीद है। 2021-22 में राज्य ने 422 करोड़ रुपए **(जीएसडीपी का 0.1%)** का राजस्व घाटा दर्ज किया।
- **राजकोषीय घाटाः** यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2023-24 में **राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3%** रहने का अनुमान है। यह केंद्रीय बजट के अनुसार 2023-24 के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनुमत **जीएसडीपी के 3.5% की सीमा** के भीतर है (जिसमें से **जीएसडीपी का 0.5% बिजली क्षेत्र में सुधार** करने पर उपलब्ध कराया जाएगा। संशोधित अनुमानों के अनुसार 2022-23 में राज्य का **राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 8.8%** रहने की उम्मीद है जो **जीएसडीपी के 3.5% के बजट अनुमान** से काफी अधिक है। यह 2022-23 के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनुमत 4% की सीमा से भी काफी है **(जिसमें से जीएसडीपी का 0.5% बिजली क्षेत्र में सुधार करने पर उपलब्ध होता है)**। इसलिए यह अधिक अनुमान **(ओवरएस्टिमेट)** हो सकता है।
- 2021-22 में भी संशोधित चरण में राज्य ने बजट अनुमान से 18% अधिक व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर) के साथ **जीएसडीपी** के 11.3% के **राजकोषीय घाटे** का अनुमान लगाया। हालांकि 2023-24 के बजट में प्रस्तुत वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में **राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3.8%** था (केंद्र सरकार द्वारा अनुमत **जीएसडीपी के 4.5% की सीमा** के भीतर)।
- **बकाया देनदारियांः** वित्तीय वर्ष के अंत में राज्य की कुल उधारियां जमा होकर बकाया देनदारियां बन जाती हैं। इसमें लोक लेखा की देनदारियां भी शामिल हैं। 2023-24 के अंत में राज्य की बकाया देनदारियों के **जीएसडीपी 37.8%** होने का अनुमान है। 2020-21 और 2021-22 में व्यय को वित्त पोषित करने के लिए उधारियों

पर बढ़ती निर्भरता के कारण हाल के वर्षों में बकाया देनदारियां बढ़ी हैं। 2025-26 के अंत में बकाया **देनदारियों के जीएसडीपी के 37%** तक कम होने की उम्मीद है।

- **बकाया सरकारी गारंटियां:** राज्यों की बकाया देनदारियों में कुछ **अन्य देनदारियां शामिल** नहीं होती हैं जो प्रकृति आकस्मिक होती हैं और जिन्हें राज्यों को कुछ मामलों में पूरा करना पड़ सकता है। 2021-22 के अंत में बकाया गारंटी **जीएसडीपी के 3.7%** होने का अनुमान है। 2020-21 के अंत में यह **जीएसडीपी का 2.7%** थी, और तब से इसमें तेज वृद्धि हुई है।
- **अस्वीकरण:** प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। **आरएस लॉजेस्लेटिव रिसर्च (सीआरएस)** के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनः प्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अतः लेखक या लेखिका उत्तरदायी है। **पिपीआरएस विश्वसनीय** और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। वीआरएस एक स्वतंत्र, **अलाभकारी समूह** है। रिपोर्ट को इसे जप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सार मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारण से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

- निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में बिहार के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत उस क्षेत्र में 31 राज्यों (बिहार सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2022-23 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।
- **शिक्षा:** बिहार ने 2023-24 में शिक्षा के लिए अपने व्यय का 17.9% आबंटित किया है। यह **2022-23 में राज्यों** द्वारा शिक्षा के लिए औसत आबंटन (**14.8%**) से अधिक है।
- **स्वास्थ्य:** बिहार ने स्वास्थ्य के लिए अपने कुल **व्यय का 7% आबंटित** किया है जो राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए **औसत आबंटन (6.3%)** से अधिक है।
- **कृषि:** बिहार ने अपने **व्यय का 3.3% कृषि के लिए आबंटित** किया है। यह राज्यों द्वारा कृषि के लिए **औसत आबंटन (5.8%)** से काफी कम है।
- **ग्रामीण विकास बिहार ने 2023-24** में ग्रामीण विकास के लिए अपने **बजट का 10.7% आबंटित किया है**। यह राज्यों द्वारा औसत आवंटन (5.7%) से काफी अधिक है।
- **पुलिस:** बिहार ने अपने कुल व्यय का 4.9% पुलिस के लिए आबंटित किया है जो राज्यों द्वारा पुलिस पर किए जाने वाले औसत व्यय (4.3%) से अधिक है।
- **सड़कें और पुल:** बिहार ने सड़कों और पुलों के लिए अपने कुल व्यय का 4% आबंटित किया है जो राज्यों द्वारा औसत आबंटन (4.5%) से कम है।

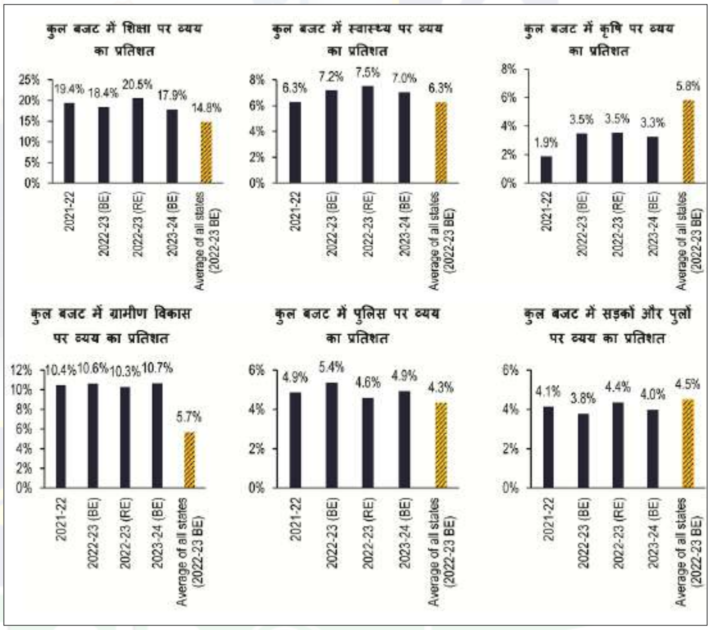

KGS IAS

Now in Karol Bagh and Mukherjee Nagar

UPSC-GS (Prelims + Mains)
Foundation Programme 2024-25

English Medium

Karol Bagh Centre

Add: 57/14, Old Rajendra Nagar, New Delhi - 110060

Ph. No.: +91 9205 777 818

Hindi Medium

Mukherjee Nagar Centre

Add: 704, Ground Floor, Main Road Front Of Batra Cinema, Mukherjee Nagar, Delhi - 110009

Ph. No.: +91 9205 777 817

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

Read
Daily
Current Affairs

Connect With Us